A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 20 मई, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 252 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

पहली बात

दिल्ली के 'शाह' को भाजपा की 'शह'

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

लोकसभा चुनाव अभियान में भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिक-कौशल का एक दिलचस्प पहलू वो राजनेता हैं, जो उसके सामने लड़ रहे इंडिया-गठबंधन की हर पार्टी में मौजूद हैं। कांग्रेस में पहले इन्हें 'कमल-छाप' कांग्रेस कहा जाता था, जो सत्ता की चाशनी चाटने के लिए सत्तासीन नेताओं के इर्द गिर्द मंडराते रहते थे। इन्हें पहचानना आसान नहीं है। मध्य प्रदेश कांग्रेस में तो कमल-छाप कांग्रेसियों के नाम पर कई बार बवाल भी हो चुका है। विपक्ष में सक्रिय और शरीक ऐसे नेताओं का नया नामकरण अब भाजपा के 'स्लीपर-सेल' के रूप में होता है।

ये 'स्लीपर सेल' वो नेता हैं, जो भाजपा की रणनीतिक आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति के लिए कभी भी अपने ही दल में कोई भी विस्फोट याने राजनीतिक खलल पैदा कर सकते हैं। ताजा उदाहरण आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल हैं, जिनके साथ बदसलूकी के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद मीडिया के टीवी स्क्रीन की सारी सुर्खियां केजरीवाल के इर्दगिर्द सिमट गई हैं।

सामान्य तौर पर आतंकवादी गतिविधियों में 'स्लीपर-सेल' जैसे बदनाम शब्द का ज्यादा इस्तेमाल होता रहा है। इन संदर्भों में विश्वासघाती नेताओं के लिए इस शब्द का इस्तेमाल अतिरंजनाओं की दोषपूर्ण श्रेणी में माना जा सकता है, लेकिन दल-बदल की ताजा घटनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए मौजूदा हालात में यह शब्द काफी सटीक महसूस होता है। इसका एक कारण यह भी है कि भाजपा के रणनीतिकारों ने चुनाव अभियान की धाराओं की प्रतिकूलताओं से निपटने के लिए काफी चतुराई से इन नेताओं का इस्तेमाल किया है। इन मामलों में गोपनीयता का पहलू भाजपा की संगठनात्मक क्षमताओं की खूबियों को दर्शाता है कि किसी को कानों-कान खबर नहीं होती है।

राजनीतिक हलकों में स्लीपर सेल की कहानी के सिरे कहीं भी मिल सकते हैं। 2024 में ही मार्च के तीसरे सप्ताह में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ एक लेटर-बम फूटा था, जिसमें कांग्रेस के ही कतिपय नेताओं ने उन पर कांग्रेस पार्टी में गबन करने का आरोप लगाया गया था। बघेल ने अपने स्पष्टीकरण में कहा था कि कांग्रेस पार्टी मे कोई गबन नहीं हुआ है। पार्टी के अंदरूनी और वैधानिक अनुबंध को मीडिया में प्रचारित करना पार्टी विरोधी कृत्य है। कुछ लोग पार्टी के भीतर रहकर भाजपा के स्लीपर- सेल की तरह काम कर रहे हैं। इसीलिए भाजपा इस मामले को इतना तूल दे रही है। गबन और घोटाले के आरोप प्रदेश कांग्रेस के सोशल मीडिया प्रबंधन के लिए एक कंपनी से एग्रीमेंट को लेकर लगाए गए थे।

विपक्षी दलों और विपक्षी राज्य सरकारों के लिए खलल पैदा करने के अनेक किस्सों के बीच स्वाति मालीवाल का किस्सा भी राजनीतिक साजिश के रूप में आकार लेता प्रतीत हो रहा है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह घेराबंदी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर तिहाड़ जेल से रिहाई के बाद केजरीवाल को मिले व्यापक जनसमर्थन को निष्प्रभावी और नियंत्रित करने की रणनीति का हिस्सा है, जिसमें प्रमुख औजार स्वाति मालीवाल हैं। भाजपा को अंदेशा था कि जेल भेजे जाने के बाद मिली सहानुभूति की बदौलत केजरीवाल दिल्ली और पंजाब के चुनाव में फर्क डाल सकते हैं।

जाहिर है आम आदमी पार्टी का एक सांसद जब खुद अपने पार्टी-प्रमुख को कठघरे में खड़ा करेगा तो बादलों का बरसना लाजिमी है। उन्हे आसानी से साफ करना भी संभव नहीं हैं। सारी गहमागहमी एक पखवाड़े के लिए है, क्योंकि चुनाव अपने अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। भाजपा हर पल, हर पहर चुनावी मोड में रहने वाली पार्टी है। कोई सियासी जोखिम लेना उसकी तासीर नहीं हैं। चुनावी शतरंज की बिछात पर 'मालीवाल' का मोहरा भी केजरीवाल की बादशाहत पर निशाना साधने के लिए ही है।

गौरतलब यह है कि चाहे-अनचाहे बिभव कुमार की गिरफ्तारी का मुद्दा अब केजरीवाल की रिहाई से भी बड़ा मुद्दा बन गया है। भाजपा ने इसे आम आदमी पार्टी के अंदरूनी झगड़े के रूप में लोगों के सामने परोसने का प्रयास किया है। इस प्रकरण में भाजपा की भूमिका का उजागर होना बाकी है। इस राजनीतिक घटना ने आम आदमी पार्टी के चुनाव अभियान की सुर्खियों को विवादों के धुंध में ढकेल दिया है। आम आदमी पार्टी की आक्रामकता पर भी इसका प्रभाव पड़ा है। कई मर्तबा आप-कार्यकर्ताओं को रक्षात्मक रूख अख्तियार करना पड़ता है। उनके मुद्दे और आरोप मद्धम पड़ने लगते हैं।

बहरहाल, मामला सहज और सरल नहीं हैं। इस घटना की क्रोनोलॉजी कई सवाल पूछती है। घटना और घटना की एफआईआर की दर्ज होने बीच तीन दिनों के फासले की परतों का खुलासा होना बाकी है। इस समयावधि के बीच पैदा प्रश्न-चिन्हों का आकार दिन-ब-दिन बड़ा होता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि घटना की शुरूआत सोमवार,13 मई को हुई थी,जबकि घटना की रिपोर्ट दिल्ली पुलिस ने 16 मई को दर्ज की है। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी मार्लेना ने घटना को लेकर जो सवाल खड़े किए हैं, वो भी अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए। आतिशी ने मालीवाल को भाजपा की साजिश का चेहरा निरूपित किया है। आतिशी का कहना है कि एफआईआर के तथ्य और घटनाओं से जुड़े वीडियो के तथ्य एक-दूसरे को नकार रहे हैं।

स्वाति मालीवाल और केजरी वाल के रिश्ते 20 साल पुराने हैं। 2006 में वो केजरीवाल के एनजीओ परिवर्तन में शामिल हुई थीं। केजरीवाल के अनन्य साथी के रूप में अन्ना आंदोलन का हिस्सा रही स्वाति उनके कोर-ग्रुप का हिस्सा थीं। उन्होने आम आदमी के पूर्व नेता नवीन जयहिंद से विवाह किया है। केजरीवाल के साथ ही उन्होने राजनीति में प्रवेश किया था। केजरीवाल ने उन्हें न केवल दिल्ली महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया, बल्कि राज्यसभा भी भेजा था। इस रहस्य का खुलासा दिलचस्प होगा कि दोनों के बीच नजदीकियों की इस दास्तां में दूरियों का सिलसिला कहां और कैसे शुरू हुआ? आम आदमी पार्टी का यह आरोप भी है कि आयोग के अध्यक्ष के रूप में भ्रष्टाचार का मामलों में उनके स्वाति के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। भाजपा ने ब्लैकमेल करके उन्हें साजिश का चेहरा बनाया है। बहरहाल, पिक्चर अभी बाकी है...?

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

जब कभी मैं तुम्हारे या अपने
शहर को देखता हूँ
मुझे लगता है यही है अब हमारी दुनिया
लेकिन मैं नहीं देख पाता हूँ
अपने शहर का बहुत सारा हिस्सा
जिसे हर रोज देखा जाना जरूरी हैं
शहर के जिस हिस्से को मैं नहीं देख पाता हूँ
मुझे यही लगता है कि कहीं उस कोने की
किसी ने हत्या तो नहीं कर दी
ऐसे ढ़ेरों ख्याल आते हैं मन में
अपनी चिंता को गले में दबा कर तय करता हूँ
कल जरूर जाउंगा उक्त स्थान पर
लेकिन वह कल कभी नहीं आता है
जिससे मैं पहुंच सकू शहर के सबसे किनारे
जहां जिंदगी अभी आकार ले रही है।
शहर के ऐसे अनगिनत हिस्से है जिसे मैं नहीं
देख पाता हूँ
जहां लिखा जा रहा हैं
एक नए शहर की आत्मकथा
जरूरी नहीं है कि एक ही शहर में सिर्फ एक
ही शहर रहता है
कई बार एक शहर में कईयों शहर
समाए रहते हैं।

– नीतीश मिश्र

हरियाणा के कैथल में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा बोले

- मोदी ने राजनीति की संस्कृति बदली, कहा-ईमानदार पार्टी के 3-3 नेता जेल में

कैथल (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में न केवल हरियाणा या देश ही नहीं, बल्कि भारत की राजनीति की संस्कृति बदल गई है और काम काज का तरीका बदल गया है। देश में आज जवाबदेही की राजनीति है। उन्होंने विपक्ष के गठबंधन को घमंडिया गठबंधन बताया। इस मौके पर सीएम नायब सैनी भी उनके साथ रहे। नड्डा रविवार को कैथल में चंदाना गेट पर भाजपा की विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल के समर्थन में वोट की अपील की।

मोदी बोले-टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट के पाप एक जैसे

बिष्णुपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहे। उन्होंने बिष्णुपुर और पुरुलिया में जनसभाएं कीं। पुरुलिया में पीएम ने पहले रोड शो किया था। बिष्णुपुर में पीएम ने

- इसलिए इंडिया गठबंधन बनाया; कहा-भ्रष्टाचारियों के बंगले-गाड़ियां बिकवाएंगे, ये मोदी की गारंटी

कहा कि टीएमसी हो, कांग्रेस या लेफ्ट हो, ये तीनों पार्टियां अलग-अलग दिखती हैं, लेकिन उनके पाप एक जैसे ही हैं। इसलिए इन्होंने मिलकर इंडिया गठबंधन बनाया है। प्रधानमंत्री ने ये भी कहा कि इन्होंने (टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट) गरीब, मजदूर, एससी-एसटी, महिला को हमेशा नारे दिए। जहां भी इन्होंने सरकार चलाई, उन राज्यों को गरीब बनाकर छोड़ दिया। पश्चिम बंगाल इसका ताजा उदाहरण है। कभी दूसरे राज्यों के लोग रोजगार के लिए बंगाल आते थे, आज बांकुरा से पूरे बंगाल से काम के लिए

पलायन कर रहे हैं। टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट का मॉडल विकास पर आधारित नहीं है। वे कुशासन, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और वंशवादी राजनीति (परिवारवाद) के मॉडल पर काम करते हैं। मैं अब कह रहा हूं कि भ्रष्टाचारियों को जेल से बाहर नहीं रहने दूंगा। मोदी आपको एक और गारंटी दे रहा है। 4 जून के बाद जब हम नई सरकार बनाएंगे, भ्रष्ट लोगों को अपना पूरा जीवन जेल में बिताना होगा। टीएमसी ये कहकर राजनीति में आई थी कि मां, माटी, मानुष की रक्षा करेगी।

मोदी को 400 सीटें दीजिए 'यूसीसी' लेकर आएंगे!

देश से खल्लास हो जाएंगी मुल्ला पैदा करने वाली दुकानें

सीवान (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि अगर एनडीए 400 सीटों के साथ सत्ता में लौटता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार समान नागरिक संहिता लेकर आएगा। इसके साथ ही मुस्लिमों में चार बार शादी करने के व्यवसाय को समाप्त कर देगा। उन्होंने मदरसों की ओर इशारा करते हुए यह भी कहा कि हम मुल्ला पैदा करने वाली दुकानें बंद कर देंगे और मुस्लिम आरक्षण खत्म कर देंगे। असम के मुख्यमंत्री ने शनिवार को सीवान के रघुनाथपुर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, मोदी को 400 सीटें दीजिए, समान नागरिक संहिता

आएगी और हम चार शादी करने का दुकान का यह धंधा बंद कर देंगे। ठीक वैसे ही जैसे हमने कश्मीर में धारा 370 खत्म किया था। इस धंधे को खलास कर दूंगा। सरमा ने आगे कहा, देश बदल गया है। जब मैं तीन साल पहले असम में पहली बार मुख्यमंत्री बना तो एक अधिकारी मेरे पास एक फाइल लेकर मेरे हस्ताक्षर मांगने आये।

देश के 8 राज्यों की 49 सीटों पर वोटिंग आज

राजनाथ, स्मृति समेत 9 केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री मैदान में, राहुल रायबरेली से भी लड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में कल सोमवार को 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा ने 32, शिवसेना ने 7, टीएमसी ने 4 सीटें जीती थीं। कांग्रेस केवल यूपी की रायबरेली सीट जीत पाई थी। अन्य को 5 सीटें मिली थीं। इस फेज में राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल समेत 9 केंद्रीय मंत्री मैदान में हैं। रायबरेली से वायनाड सांसद राहुल गांधी भी चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के पांचवें फेज में 695 कैंडीडेट्स मैदान में हैं। इनमें 613 पुरुष और 82 महिला उम्मीदवार हैं। इनमें महिलाएं केवल 12 फीसदी हैं।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के मुताबिक, इस फेज के 615 उम्मीदवारों में से 23 फीसदी यानी 159 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 227 यानी 33 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। केवल एक उम्मीदवार ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी उत्तर प्रदेश की झांसी सीट से भाजपा उम्मीदवार अनुराग शर्मा हैं। उनके पास 212 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 543 लोकसभा सीटों में चौथे फेज तक 380 सीटों पर मतदान हो गया है। 20 मई तक कुल 429 सीटों पर मतदान पूरा हो जाएगा। बाकी 2 चरणों में 114 सीटों पर वोटिंग होगी।

159 चुनावी कैंडीडेट्स पर हत्या किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज

ADR की रिपोर्ट के मुताबिक, 159 कैंडीडेट ऐसे हैं, जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें से 3 उम्मीदवारों को किसी न किसी मामले में दोषी ठहराया गया है। 4 उम्मीदवारों पर हत्या और 28 पर हत्या की कोशिश के मामले हैं। 29 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। एक उम्मीदवार के खिलाफ दुष्कर्म से जुड़ा मामला दर्ज है। वहीं, 10 कैंडीडेट्स पर हेट स्पीच से जुड़े मामले दर्ज हैं। एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इलेक्शन के पांचवें चरण में 695 उम्मीदवारों में से 227 यानी 33 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। कैंडिडेट्स के पास औसत संपत्ति 3.56 करोड़ रुपए है। सबसे ज्यादा भाजपा के 36 उम्मीदवार करोड़पति हैं। सबसे अमीर प्रत्याशी यूपी की झांसी से भाजपा उम्मीदवार अनुराग शर्मा हैं।

सऊदी अरब को परमाणु हथियार बनाने से अब रोकेगा अमेरिका

- बदले में देगा नाटो जैसी सुरक्षा गारंटी, ईरान के खिलाफ सऊदी को साधने की कोशिश

वाशिंगटन (एजेंसी)। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने रविवार को अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) जेक सुलिवन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सिक्योरिटी अकॉर्ड और सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट पर चर्चा हुई। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, समझौतों के तहत अमेरिका सऊदी अरब को सुरक्षा और परमाणु सहायता देगा। दरअसल, पिछले साल इजराइल और सऊदी अरब के बीच डिप्लोमैटिक रिश्ते शुरू करवाने के लिए अमेरिका बैकडोर बातचीत कर रहा था। इस दौरान उसने इजराइल को मान्यता देने के बदले सऊदी को नाटो लेवल की सिक्योरिटी देने की पेशकश की थी। इस साल मई की शुरुआत में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका और सऊदी अरब सिक्योरिटी और परमाणु सहायता वाले एग्रीमेंट साइन करने के बेहद करीब हैं।

आगरा में आईटी का छापा, 60 करोड़ कैश मिले

- जूता कारोबारी ने बेड-गद्दों में छिपाए थे नोट, 10 मशीनों से हुई गिनती

आगरा (एजेंसी)। आगरा में 3 जूता कारोबारियों के यहां इनकम टैक्स की टीम ने छापा मारा। एक कारोबारी के घर से 60 करोड़ रुपए के नोट बरामद हुए हैं। ये नोट बेड, गद्दों और आलमारी में छिपाकर रखे थे। इसकी तस्वीर भी सामने आई। इसमें दिख रहा है, बेड पर नोटों की गड्डियां रखी हैं। जमीन पर रखे बैग भी नोटों से भरे हैं। इनकम टैक्स टीम हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग के घर और ऑफिस पहुंचीं। सर्च किया, तो उनके घर में बेड और गद्दों में नोट के बंडल मिले। भारी-भरकम कैश देखकर अफसरों ने नोट गिनने के लिए बैंक से 10 मशीनें मंगाईं। शनिवार शाम से अभी तक कार्रवाई चल रही है। माना जा रहा है, कैश का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर व बलिया जिले में भाजपा के लोकसभा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया

उत्तरप्रदेश में एक परिवार द्वारा लूटने का उद्योग चलता है : डॉ. मोहन यादव

गाजीपुर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के शेखपुर में भाजपा प्रत्याशी श्री पारसनाथ राय, बलिया जिले के बैरिया में भाजपा प्रत्याशी श्री नीरज शेखर के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी विचारधारा के लोग न भगवान श्रीराम को मानते हैं, न श्रीकृष्ण को मानते हैं, न श्रीमद् भागवत गीता को मानते हैं और न ही गाय को मानते हैं, लेकिन वोट मांगने के लिए आ जाते हैं। जिस तरह से रावण ने नकली साधु का रूप धारण करके सीता माता का हरण किया था, इसी तरह ये लोग भी नकली भेष बनाकर वोट मांगने के लिए आ रहे हैं। 10-10 मुंह से बोलने वाले घमंडिया गठबंधन का भरोसा नहीं है कि कौन क्या बोलेगा? ये घमंडिया गठबंधन के लोग सनातन संस्कृति को कोसते हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी को जी भरकर अपशब्द कह

रहे हैं। भगवान श्रीराम के जन्म के प्रमाणों को मांगने वालों को इस बार जनता सबब सिखाएगी।

हम धर्म की बातें करते हैं तो इनको परेशानियां होती हैं- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम जब भी धर्म की बातें करते हैं तो कांग्रेस और समाजवादियों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। ये लोग हमको कोसते हैं कि हम धर्म की बातें क्यों कर रहे हैं? ये लोग भगवान श्रीराम पर प्रश्न उठाते हैं, श्रीकृष्ण पर प्रश्न उठाते हैं। भगवान श्रीराम के जन्म के प्रमाण मांगते हैं, लेकिन ये भगवान को नहीं मानते हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि कांग्रेस और इसके घमंडिया गठबंधन के लोगों ने भगवान श्रीराम का आमंत्रण भी ठुकराया था। ये लोग भगवान श्रीराम की संस्कृति को मिटाने में लगे हैं। इस बार देश की जनता भी इनको पूरी तरह से ठुकराने वाली है।

युवाओं के लिए नहीं, बल्कि मतदाताओं को लूटने का उद्योग चलाते हैं- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गाजीपुर में कोई फैक्ट्री नहीं है। उद्योग यहां चलता नहीं है, क्योंकि यहां एक ही परिवार के लूट का उद्योग चलता है। कोई हथियार के बल पर तो कोई पैसों के बल पर लूटता है। आतंक का तांडव मचा रखा है। याद रखना जितना भी तांडव करोगे अब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी की सरकार में हर बात का हिसाब होगा।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40 °c
न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 20 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

'अंगदान' के इंतजार में जा रही लोगों की जान!

अस्पताल हो रहे 'फेल', अंगदान को लेकर ऐक्शन में स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में एक निर्देश में कहा है कि अस्पतालों की तरफ से ब्रेन डेड से होने वाली मौतों

- **2023 में मरने के बाद केवल 1,028 लोगों ने किया अपना अंगदान**

की पहचान करने और उन्हें प्रमाणित करने में विफलता के कारण संभावित डोनर्स की एक महत्वपूर्ण संख्या उपलब्ध होने के बावजूद देश में अंगदान की दरों में भारी कमी आ रही है। इसमें राज्यों से कहा गया है कि वे अस्पतालों से ब्रेन स्टेम से होने वाली मौतों का सावधानीपूर्वक डॉक्यूमेंटेशन करें। मंत्रालय ने कहा कि भारत में मृत्यु के बाद अंगदान की दर बेहद कम बनी हुई है। यह एक साल में प्रति दस लाख जनसंख्या पर 1 डोनर से भी कम है। एक हालिया पत्र में, उसने याद दिलाया कि मानव अंग ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, अस्पतालों को आईसीयू में भर्ती प्रत्येक क्षमता की पहचान करनी चाहिए। इसमें कहा गया है कि अस्पतालों के लिए यह पूछना अनिवार्य है कि क्या ऐसे संभावित डोनर्स ने अंगदान करने का संकल्प लिया है। यदि नहीं, तो हृदय गति रुकने से पहले परिवार के सदस्यों को अंगदान करने के अवसर के बारे में जागरुक करना होगा।

ट्रांसप्लांट सेंटर भी ब्रेन डेथ की घोषणा करने में हो रहे विफल

राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि अंगदान को सुविधाजनक बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण पहला कदम है, फिर भी अधिकांश अस्पतालों में ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि रजिस्टर्ड ट्रांसप्लांट सेंटर भी ब्रेन डेथ की घोषणा करने में विफल हो रहे हैं। महाराष्ट्र सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि अधिकांश संस्थानों में ब्रेन स्टेम डेथ को सर्टिफाई करने के लिए एक पैनल की कमी है। इससे ऐसे मामलों की पहचान करने में बाधा आती है। मुंबई और अधिकांश शहरों में अधिकांश ब्रेन डेथ सर्टिफिकेशन प्राइवेट सेक्टर में हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में वोटिंग से पहले 2 आतंकी हमले

- शोपियां में भाजपा नेता की हत्या, अनंतनाग में राजस्थान के कपल पर फायरिंग, पति गंभीर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में शनिवार की रात एक घंटे के भीतर दो जगह आतंकी हमले हुए। पहली घटना अनंतनाग के पहलगाम के पास एक ओपन टूरिस्ट कैंप की है। यहां आतंकियों ने एक टूरिस्ट कपल को गोली मार दी। कपल राजस्थान के जयपुर के रहने वाले हैं। पति-पत्नी रिसॉर्ट में रुके हुए थे। महिला का नाम फराह और उसके पति का नाम तबरेज है। पति को सिर में गोली लगी है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, पत्नी फराह को सीने और कंधे पर चोट आई है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

चिराग, रोहिणी और रूडी...

बिहार में दांव पर लगी इन दिग्गजों की प्रतिष्ठा

- पांचवें चरण में अब मतदाता करेंगे किस्मत का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में लोकसभा चुनाव का जोर तेजी पर है। हर तरफ राजनीतिक दलों की रैलियां, सभाएं और रोड शो जारी है। सोमवार 20 मई को पांचवें चरण में बिहार की पांच सीटों पर मतदान होगा। ये सभी हाई प्रोफाइल सीट हैं। ये सीट सारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, और हाजीपुर है। शनिवार को इन सीटों पर प्रचार का शोर खत्म हो गया। यहां 20 मई को 95 लाख 11 हजार से अधिक मतदाता 80 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे।

प्रयागराज में राहुल-अखिलेश की रैली में हो गया भारी 'खेला'

सुरक्षा व्यवस्था को धता बता समर्थकों ने जमकर मचाया उत्पात

भारी भगदड़ में पुलिस के बैरीकेड टूटे, दोनों नेता मंच छोड़कर चले गए

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद लोकसभा सीट पर संयुक्त चुनाव प्रचार करने आए राहुल गांधी और अखिलेश यादव की सभा में रविवार को जमकर बवाल हुआ। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि कैसे सुरक्षा के लिए बने बैरिकेड को तोड़कर सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता स्टेज तक पहुंच गए। एक तरफ मंच पर नेताओं का भाषण चल रहा था, दूसरी तरफ नीचे हंगामा हो रहा था। कहा जा रहा है कि अव्यवस्था के चलते राहुल और अखिलेश बगैर पूरा भाषण दिए यहां से चले गए। फूलपुर के बाद प्रयागराज में इंडिया गठबंधन की तरफ से संयुक्त रैली का आयोजन किया गया। राहुल गांधी पहले आकर मंच पर बैठ गए। थोड़ी देर बाद अखिलेश यादव मंच पर आए और नेताओं से मुलाकात करने लगे। इस बीच मंच के नीचे मौजूद नेताओं में शोरशराबा होने लगा। नेता और कार्यकर्ता स्टेज पर चढ़ जाना चाहते थे। उन्होंने सुरक्षा के लिए बैरीकेड तक तोड़ दिए। हाथ में सपा और कांग्रेस का झंडा लहराते इन नेताओं और कार्यकर्ताओं को शांत रहने की अपील की जाती रही पर कोई फायदा नहीं हुआ। जब दोनों नेताओं की समर्थकों ने नहीं सुनी तो दोनों चले गए।

बुद्ध पूर्णिमा पर गायत्री शक्तिपीठ भोपाल का आयोजन

- 11 हजार घरों में यज्ञ की योजना, युवाओं को नशा न करने का दिलाएंगे संकल्प

भोपाल (नप्र)। बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर 23 मई को गायत्री शक्तिपीठ भोपाल के तत्वावधान में घर-घर गायत्री यज्ञ की योजना बनाई गई है। जिसमें 11 हजार ऐसे घरों व सार्वजनिक स्थानों पर यज्ञ किया जाएगा, जहां पहले यह नहीं किया गया। कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम रूप में हैं। वहीं इस मौके पर युवाओं को नशा न करने का संकल्प दिलाया जाएगा। जागरूकता के लिए टोलियां घर-घर जाकर प्रचार सामग्री बांट रही है। गायत्री परिवार के वरिष्ठ पदाधिकारी रमेश नागर ने बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार स्थित मुख्यालय के निर्देश पर संस्था के प्रत्येक चेतना केंद्र को एक-एक हजार नए स्थानों पर यज्ञ कराने के साथ ही इन प्रत्येक स्थानों पर यजमानों से एक एक पौधा लगवाने का लक्ष्य दिया गया है। ताकि इस अवधि में 11 हजार पौधे भी लगाए जा सकें। इसके अलावा इस मौके पर गायत्री परिवार लोगों को नशा न करने का संकल्प भी दिलवाएगा। परिवार लोगों को नशा न करने का संकल्प भी दिलवाएगा।

'विद्यार्थी विज्ञान मंथन' का दो दिवसीय नेशनल कैंप का आइसर भोपाल में समापन

- **कोई भी देश विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं रिसर्च के बिना प्रगति नहीं कर सकता है: डॉ. राजीव बहल**
- **हमें वह शोध करना चाहिए जो कि समाज एवं मानवता के लिए महत्वपूर्ण है: डॉ. शिव कुमार शर्मा**

भोपाल (नप्र)। कोविड ने हमें बताया की विज्ञान और उसमें रिसर्च कितनी महत्वपूर्ण है, विज्ञान -प्रौद्योगिकी एवं शोध के बिना कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता है यह वक्तव्य है आईसीएमआर के महानिदेशक एवं भारत सरकार के हेल्थ रिसर्च विभाग के सेक्रेटरी डॉ राजीव बहल के। डॉ बहल ने विद्यार्थी विज्ञान मंथन कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम वैक्सीन बनाने वाले टॉप फाइव देश में से एक रहे हैं और इसके लिए हमने हजार से भी ज्यादा वैक्सीन टेस्ट किए हैं । उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन में पुरस्कार नहीं अपितु इसमे आपकी पहुंच महत्वपूर्ण है। हमारी स्ट्रैंथ हमारे अंदर है। उन्होंने कहा कि जिसमें सीखने की प्रवृत्ति होती है वह हर कहीं से सीख सकता है लेकिन यह सीखना आपकी सोच पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि सपने पूरे होते हैं इसलिए हमें सपने बड़े देखना चाहिए। हमें अपने कल्चर और अपने अचीवमेंट पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने जय जवान जय किसान जय विज्ञान और जय अनुसंधान के नारे की महत्वता बतायी।

इनसे पूर्व विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ शिवकुमार शर्मा ने कहा कि हम जो शोध कर रहे हैं वह समाज एवं मानवता के लिए महत्वपूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा आई क्यू, इक्यू के साथ-साथ एस क्यू (सोशल) एवं एच क्यू (ह्यूमन) भी महत्वपूर्ण है । उन्होंने कहा कि फॉर्मल एजुकेशन के साथ इनोवेशन भी महत्वपूर्ण है क्योंकि नवाचार एवं सीखने की निरंतर ही हमें शिखर पर पहुंचती है। उन्होंने कहा कि स्वॉट एनालिसिस के माध्यम से हमें स्वयं का आकलन कर विज्ञान में अपना भविष्य बनाते हुए देश हित में कार्य करना चाहिए ।

विदित है कि विज्ञान भारती द्वारा दिनांक 18-19 मई 2024 को विद्यार्थी विज्ञान मंथन का दो दिवसीय नेशनल कैम्प का समापन विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार के साथ भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) भोपाल में हुआ। इस प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत के 36 प्रान्तों से 450 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था । इस कार्यक्रम में म. प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद सह आयोजक है ।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान आइसर भोपाल के निदेशक डॉ गोवर्धन दास ने अपने वक्तव्य में कहा कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन एक परीक्षा न होकर अपने आइडिया को एक्सचेंज करने का मंच है । उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी यंग साइंटिस्ट है और आप को ही देश को आगे बढ़ाना है ।

इनसे पूर्व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के निदेशक डॉ कैलाशा राव ने कहा कि भारत नई शिक्षा नीति से नई दिशा में जा रहा है, इसमें इनोवेशन के साथ सीखने को बढ़ावा दिया गया है । उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए तीन मंत्र दिए - थिंक एक्शन एवं वर्क। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से हम सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किसी भी आइडिया के विस्तृत रूप में जाकर उसका प्रोटोटाइप तैयार करना चाहिए ।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के पूर्व आईएएस अधिकारी एवं भारत के महान वैज्ञानिक डॉ शांति स्वरूप भटनागर के पोते श्री अरुण भटनागर भी उपस्थित थे। उन्होंने डॉ शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देते हुये बताया कि डॉ शांतिस्वरूप भटनागर ने उसे समय अपना वैज्ञानिक कार्य किया जब भारत स्वतंत्र नहीं हुआ था। कठिन परिस्थितियों में उन्होंने अपने शोध कार्य कर देश को नई दिशा दी ।

संकट

तीसरी सबसे बड़ी 'अर्थव्यवस्था' बनने में बाधा बनेगी गर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की लिस्ट में अभी 5वें नंबर पर है। आईएमएफ के अनुमान के मुताबिक 2027 तक भारत टॉप तीन में पहुंच सकता है। जापान और जर्मनी आर्थिक मोर्चे पर संघर्ष कर रहे हैं जबकि भारत की इकॉनमी रॉकेट की रफ्तार से बढ़

- **भारत की तेजी से बढ़ती जीडीपी पर ब्रेक लगने की बढ़ी संभावना**

रही है। पिछले साल भारत की इकॉनमी सबसे तेजी से बढ़ी थी और आईएमएफ के मुताबिक अगले दो साल भी ऐसा ही अनुमान है लेकिन अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भारत की इस तेज रफ्तार को झुलसाती गर्मी ब्रेक लगा सकती है। भीषण गर्मी भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में बड़ी बाधा बन सकती है। इसका असर भारत की तेजी से बढ़ती जीडीपी पर देखने को मिल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर भारत के लिए ये अच्छी खबर नहीं है। जानकारों के मुताबिक, भीषण गर्मी में सबसे बड़ी समस्या काम करने में आएगी। रिपोर्ट्स बताती हैं कि अभी 10 फीसदी से भी कम भारतीय घरों में एसी हैं। जलवायु परिवर्तन ने दक्षिण एशिया में 30 दिनों की गर्मी की लहर को 45 गुना ज्यादा गर्म बना दिया है। इसका असर फसलों पर भी देखने को मिलेगा। ये तेजी से बढ़ता तापमान दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए खतरा है, लेकिन भारत में कुछ कारण इस खतरे को और बढ़ा रहे हैं। मैकिन्जी ग्लोबल इंस्टीट्यूट की पार्टनर मेकला कृष्णन के मुताबिक, भारत में इस बारे में पर्याप्त रूप से नहीं समझा जाता है या इसके बारे में नहीं सोचा जाता है। कृष्णन 2020 की रिपोर्ट क्या भारत में काम करने के लिए बहुत गर्मी होगी की सह-लेखिका हैं, जिसमें अत्यधिक गर्मी और आर्द्रता से मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को होने वाले जोखिमों पर विचार किया गया है। हमने गणना की है कि बाहरी-उजागर क्षेत्र जीडीपी का करीब 50 फीसदी और कार्यबल का 75 फीसदी हिस्सा बनाते हैं। इसलिए 2030 तक (उच्च-उत्सर्जन परिदृश्य में) भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 2.5-4.5 फीसदी गर्मी और आर्द्रता के स्तर में लगातार बदलाव से जोखिम में पड़ सकता है।

इजरायल पर हमले में चीन ने की थी हमास की मदद

- पूर्व अमेरिकी अधिकारी का बड़ा दावा, ड्रैगन के बड़े गेम प्लान का बताया हिस्सा

बीजिंग/तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा में हमास के आतंकियों को समर्थन देने के मामले में चीन का चेहरा बेनकाब हो गया है। हमास के खिलाफ अभियान के दौरान इजरायली रक्षा बलों को गाजा में ऐसे सबूत मिले हैं, जो बताते हैं कि चीन ने इजरायल पर हमला करने के लिए फिलिस्तीनी आतंकी संगठन को हथियार उपलब्ध कराए थे। आईडीएफ को गाजा में हमास के गोदामों से भारी मात्रा में चीनी हथियार, गोला बारूद, सैन्य ग्रेड संचार और अन्य खुफिया जानकारी जुटाने वाले उपकरण पाए गए। संडे गार्डियन ने अपनी रिपोर्ट में एक पूर्व अमेरिकी सैन्य अधिकारी के हवाले से ये जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी के कम से कम दो सुरंग इंजीनियरों को पकड़ा है।

पंजाब-हरियाणा समेत 4 राज्यों में हीटवेव का रेड अलर्ट जारी

दिल्ली-राजस्थान में तापमान 46 डिग्री के पार; कर्नाटक-केरल में तेज बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्य इस वक्त तेज गर्मी की चपेट में हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में रविवार को हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश और बिहार में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा उत्तराखंड, गुजरात, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी आज लू चलने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, इन राज्यों में 5 दिनों तक तेज गर्मी पड़ेगी। वहीं, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान में हीटवेव का असर 23 मई तक रहेगा। आईएमडी ने कहा कि अगले दो से तीन दिनों में उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में दिन के साथ रात भी गर्म होगी। रात का गर्म तापमान सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है, क्योंकि इससे शरीर को ठंडा होने का मौका नहीं मिलता है। शनिवार को दिल्ली और राजस्थान में तापमान 46 डिग्री पहुंचा। दिल्ली के मुंगेशपुर में अधिकतम तापमान 46.8, नजफगढ़ में 46.7, पीतमपुरा में 46.1 और पूसा में 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजस्थान के जैसलमेर में तापमान 46.2, बाड़मेर में 46.9, गंगानगर में 46.3 और पिलानी में 46.3 रहा। आने वाले दिनों में यहां तापमान में गिरावट की कोई संभावना नहीं है। उधर, दक्षिण भारत के राज्यों में तेज गर्मी का दौर जारी है। मौसम विभाग ने कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु में शनिवार को ही कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात देखने को मिले थे।

भोपाल में पुलिसकर्मी से मारपीट का वीडियो

- रात 3.30 बजे दो कार टकराने से हुआ विवाद, तीसरे कार चालक ने की हाथापाई

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंचे हेड कॉन्स्टेबल से एक कार चालक ने मारपीट कर दी। विवाद की खबर लगते ही थाने से दो और जवान मौके पर पहुंच गए, और उन्होंने भी कार चालक की पिटाई कर दी। घटनाक्रम के वीडियो भी सामने आए हैं। जिसमें युवक पुलिस कर्मी की तरफ बढ़ रहा है। जबकि पुलिसकर्मी उसे डंडे से मारता हुआ पीछे हट रहा है। विवाद में युवक की शर्ट फटी दिखाई दे रही है। घटनाक्रम रविवार तड़के करीब 3.30 बजे का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि बंसल वन के पास दो कारों की भिड़ंत हो गई। सोशल मीडिया पर आरोपी कार चालक को एक रिटायर्ड फॉरेस्ट अधिकारी का बेटा बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है। कार नंबर के आधार पर उसकी तलाश जारी है।

एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंची थी पुलिस

हबीबगंज थाना प्रभारी सरिता बर्मन ने बताया- डायल 100 पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल रामप्रवेश प्रजापति पायलट के साथ मौके पर पहुंचे थे। उस दो कार चालक आपस में विवाद कर रहे थे। पास में ही रानी कमलापति स्टेशन है। यहां रात भर ट्रैफिक की आवाजाही रहती है। ऐसे में विवाद के चलते मौके पर जाम की स्थिति बन रही थी। पुलिसकर्मी ने दोनों वाहन चालकों को समझाया तो वे मान गए, और वहां से जाने लगे। इसी बीच लाल रंग की कार में सवार एक युवक पहुंचा, वह जबरन विवाद करने लगा। पुलिस ने उसे समझाने का प्रयास किया तो उसने बहस शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर युवक ने रामप्रवेश के साथ मारपीट कर दी। सूचना मिलते ही चार्ली पर तैनात जवान मौके पर पहुंचे तो युवक उनके साथ भी विवाद करने लगा। रविवार को मामले में कार चालक के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा और मारपीट का केस दर्ज कर लिया है। कार के नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

कार में बैठकर भाग निकला आरोपी

घटनाक्रम के दौरान पुलिस ने आरोपी को काबू में करने का प्रयास किया तो वह किसी तरह खुद को छुड़ाकर कार में बैठकर वहां से भाग निकला। रविवार को रामप्रवेश का मेडिकल कराया गया।

हमारे धर्म से जुड़ेंगे उतने हम स्वयं से व भारत से जुड़ेंगे : शिवानी अग्रवाल

- दुर्गावाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग का प्राकट्य कार्यक्रम
- साहस, स्वाभिमान, संस्कारों के साथ राष्ट्र निर्माण में कर्तव्य बोध के लिए शौर्य प्रशिक्षण वर्ग : सत्यकीर्ति राने

भोपाल (नप्र)। भोपाल के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में चल रहे दुर्गावाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग के प्राकट्य कार्यक्रम में प्रांत से आई शिक्षार्थी बहिनों ने सात दिन के प्रशिक्षण का भव्य प्रदर्शन किया। मंच पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत कार्याध्यक्ष के एल शर्मा जी ने कहा सनातन धर्म पर हजारों वर्षों के आघात के बाद भी खड़ा हुआ है । मुख्य अतिथि के रूप में सेज यूनिवर्सिटी की निदेशक शिवानी अग्रवाल ने बहिनों को अभिवादन करते हुए दुर्गावाहिनी के वर्ग को उपयोगी बताते हुए कहा कि भारत की मातृशक्ति को सशक्तिकरण की आवश्यकता नहीं स्वतः ही शक्ति स्वरूपा है। पूर्व पुलिस अकादमी के निदेशक डॉ महेंद्र शुक्ल जी विशेष अतिथि रहे अपने वक्तव्य में उन्होंने सभी बालिकाओं को नमन करते हुए मातृशक्ति को पुरुष की अनुगामी कहा। प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह जी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक की उपस्थित रहे। वर्ग प्रमुख सत्यकीर्ति राने ने वर्ग का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि दुर्गावाहिनी राष्ट्र को सशक्त, स्वाभिमानी, संस्कारी पीढ़ी तैयार करने का काम करेगी। शारीरिक प्रदर्शन का संचालन वर्ग की मुख्य शिक्षिका सुश्री आकांक्षा, सत्र का संचालन बौद्धिक प्रमुख अदिति तिवारी जी ने आभार प्रांत सह संयोजिका भावना गौर ने किया । मनचासीन अतिथियों का स्वागत मातृशक्ति की सम्मी हरीश, ज्योति वर्मा, कांता कुशवाह, भानु साहू ने की। प्रशिक्षण में शिक्षिका क्रमशः ज्योति कुशवाह, सोनाली नागले, रोशनी आर्य, शिल्पा महाते, शिवानी कुशवाह, मोनिका धाकड़ तनु श्री संस्कृति रजक सहित व्यवस्था प्रमुख ज्योति वर्मा दीदी रश्मि कुशवाह दीदी विभाग मंत्री राजेश साहू जी, सह मंत्री, यतेंद्र जादौन, मनीष कारा कमलेश जी नीरज प्रजापति जी सहित शहर के वरिष्ठ गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

क्राइम ब्रांच की दिल्ली के फर्जी कॉल सेंटर पर दबिश

चार जालसाज गिरफ्तार, क्रेडिट कार्ड बनाने के नाम पर करते थे ठगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल साइबर क्राइम और क्राइम ब्रांच की टीम ने शुक्रवार को दिल्ली के फर्जी कॉल सेंटर पर दबिश दी। जहां से आईसीआईसीआई बैंक के फर्जी कर्मचारी बनकर कॉल कर लोगों से क्रेडिट कार्ड बनाने के नाम पर ठगी करने वाले चार जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 10 मोबाइल फोन, 9 सिम कार्ड और आधा दर्जन बैंक पासबुक जब्त की गई हैं। जालसाज एक किराए के कमरे से ठगी के कॉल सेंटर का संचालन करते थे। रविवार को चारों आरोपियों को कोर्ट पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया।

बैंक कर्मचारी बताकर एक युवक से की थी ठगी

एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि एक महीने पहले भोपाल की साइबर सेल में एक शिकायती आवेदन आया था। जिसमें एक व्यक्ति ने बताया था कि उसे आईसीआईसीआई बैंक का कर्मचारी बताकर एक युवक ने कॉल किया था। क्रेडिट कार्ड बनाने के नाम पर उसकी निजी जानकारी ली। बाद में उसे एक लिंक सेंड की। जिस पर क्लिक करते ही उसके खाते से 60 हजार से रुपए से अधिक की रकम निकाल ली गई। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने धारा 419,420 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसी मामले की

जांच करते हुए कॉल करने वाले नंबरों को ट्रेस किया गया। रोहिणी दिल्ली से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। चारों किराए के एक कमरे से ठगी का कॉल सेंटर चलाते थे। अलग-अलग एड्रेस पर खरीदी गई फर्जी सिम से लोगों को कॉल कर क्रेडिट कार्ड बनाने के नाम पर ठगी करते थे।

फ्री में क्रेडिट कार्ड देने का देते हैं लालच: आरोपियों ने आईसीआईसीआई, एचडीएफसी समेत अन्य बैंक का कर्मचारी बताकर लोगों को फ्री में क्रेडिट कार्ड बनाने का लालच देते थे। इसके बाद लिंक भेजकर जानकारी भरवाकर खाते से धोखाधड़ी कर ठगी करते हैं। पैसे लेने के लिए जालसाज खाते एवं कॉलिंग करने के लिए मोबाइल नंबर और टेलीग्राम एप से संपर्क कर प्राप्त करते है।

ऐसे की गई कार्रवाई

साइबर क्राइम जिला भोपाल की टीम ने तकनीकी एनालिसिस के आधार पर प्राप्त साक्ष्यों के माध्यम से क्रेडिट कार्ड बनाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रोहिणी दिल्ली में की गई इस कार्रवाई में 10 मोबाइल फोन, 9 सिम कार्ड एवं बैंक 6 पासबुक को जब्त किया है।

जालसाज आरोपी

रजत वर्मा पिता संजीव कुमार वर्मा निवासी रामा बिहार थाना अमन विहार जिला रोहिणी दिल्ली आरोपी बी.कॉम से ग्रेजुएट है और ठगी के कॉल सेंटर का संचालक बताया। ध्रुव पिता रमेश (21) निवासी रोहिणी थाना बुद्ध विहार दिल्ली बी.कॉम ग्रेजुएट कॉल सेंटर संचालक है। रंजीत शर्मा पिता गुड्डू शर्मा (19) निवासी भरत विहार बैगमपुर रोहिणी दिल्ली 12 वीं कक्षा फेल है। गिरोह में इसकी भूमिका फर्जी क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए कॉलिंग करने की थी। कस्टमर अगर ठगी का शिकार हो जाता तो कुल अमाउंट की 25 प्रतिशत रकम इसे मिलती थी। इसी के साथ आरोपी ठगी की के लिए फर्जी खातों का भी इंतजाम करता था। इसके एवज में उसे अलग से कमिशन मिलता था। देव माथुरिया पिता स्व. अशोक कुमार माथुरिया (20) रामा विहार अमन विहार रोहिणी दिल्ली 12वीं पास है। फर्जी क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए कॉलिंग करना एवं कमीशन पर खाते उपलब्ध कराने का काम करता था।

भोपाल मेट्रो स्टेशन का 1368वां गर्डर भी लॉन्च

अलकापुरी स्टेशन पर आखिरी गर्डर रखा; अब ट्रैक बिछेगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर के कुल 8 स्टेशन में 1368वां गर्डर भी लॉन्च कर दिया गया है। आखिरी गर्डर अलकापुरी स्टेशन पर रखा गया। इसके 3 स्टेशन- अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस पर ट्रैक बिछाकर, एंट्री, दीवारें बनाने का काम शुरू होगा। भोपाल में मेट्रो का 6.22 किमी लंबा प्रायोरिटी कॉरिडोर है, जो सुभाष नगर से एम्स के बीच है। इस दौरान 8 स्टेशन हैं। जिसमें से सुभाषनगर, डीबी मॉल, एमपी नगर, केंद्रीय स्कूल और रानी कमलापति स्टेशन पर पिछले साल की गर्डर, ट्रैक की लॉन्चिंग हो चुकी है, लेकिन अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस स्टेशनों का काम शुरू नहीं हो सका था। अक्टूबर 2023 में मेट्रो का ट्रायल रन होने के बाद तीनों स्टेशनों पर काम में तेजी लाई गई। स्टेशनों का काम भी शुरू किया गया। गर्डर लॉन्चिंग भी हुई। यह काम अलकापुरी स्टेशन पर शनिवार देर रात पूरा किया गया।

एक स्टेशन पर 171 गर्डर

एक स्टेशन पर कुल 171 गर्डर रखे गए हैं। इस तरह कुल 1368 गर्डर लॉन्च किए गए हैं।

आगे यह काम

ट्रायल रन के 5 स्टेशनों पर लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। यहां पर अभी इंटीरियर समेत अंदरूनी काम ही बचे हैं। वहीं, अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस स्टेशनों पर गर्डर लॉन्चिंग के साथ 40 प्रतिशत तक काम पूरा कर लिया गया है। अब यहां ट्रैक बिछेगा। इसके साथ स्टेशन की दीवारें बनाने का काम होगा। वहीं, इंटीरियर समेत अन्य काम भी किए जाएंगे। मेट्रो के एमडी सीबी चक्रवर्ती ने भी गर्डर लॉन्चिंग होने पर खुशी जाहिर की है।

शादी का दबाव बना रही थी इसीलिए मार डाला

विनोद बोला-भोपाल की शीतल देती थी पुलिस की धमकी, 3 साल से रिलेशन में थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल की शीतल शादी का दबाव बना रही थी इसीलिए बॉयफ्रेंड विनोद ने उसे मार डाला। पुलिस पूछताछ में उसने कहा, मैं और शीतल 3 साल से रिलेशन में थे। अब वह शादी के लिए दबाव डालने लगी थी। साथ रहने का कहती थी। मैं इनकार करता तो पुलिस में शिकायत करने की धमकी देती थी। मैं परेशान रहने लगा था।हरियाणा के पलवल निवासी विनोद ठाकुर ने कहा, मैं मुलाकात से पहले ही उसकी हत्या का मन बना चुका था।

ीतल, मृतक

शाहपुरा निवासी शीतल विनोद के साथ घूमने के लिए मनाली पहुंची थी। दोनों होटल केडी विला के कमरा नंबर 302 में रुके थे। 15 मई को विनोद ने उसकी हत्या कर दी। वारदात का खुलासा तब हुआ, जब विनोद होटल से चेक आउट करने लगा। उसे अकेला ही निकलता देख होटल स्टाफ ने शीतल के बारे में पूछताछ की। खुद को घिरता देख वह भाग निकला। स्टाफ ने बैग खोला तो शीतल की लाश निकली। बाद में मनाली पुलिस ने कपड़े पर लगे दाग से पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। विनोद ठाकुर को हिमाचल प्रदेश की मनाली पुलिस ने शुक्रवार को कुल्लू कोर्ट में पेश किया था। 5 दिन की रिमांड मांगी। कोर्ट ने उसे सोमवार तक रिमांड पर भेज दिया। फिलहाल, पुलिस विनोद से पूछताछ में जुटी है। मैं डिलेवरी बॉय का काम करता हूं। ग्राहक अक्सर कॉल करते हैं, लिहाजा मेरा मोबाइल व्यस्त रहता है। इससे वह मुझ पर शक करती थी। अधिकार जमाते हुए किसी भी लड़की से बातचीत न करने की हिदायत देती थी। जब मिलने के लिए ज्यादा दबाव बनाया तो मैं राजी हो गया। कई जगह घूमने के बाद हम मनाली पहुंचे। यहां घूमने की चॉइस भी उसी की थी।

मनाली के होटल से चेक आउट से पहले शीतल कहने लगी कि वह घर नहीं लौटेगी। मेरे साथ ही रहेगी जबकि मैं चाहता था कि वह घर लौट जाए। इसी बात को लेकर हमारा विवाद हुआ। शीतल ने धमकी दी कि हमारे पर्सनल फोटो उसके पास हैं। अगर साथ नहीं रखा तो वह पुलिस में शिकायत दर्ज करा देगी।पुलिस के डर से मैंने उसे मौत के घाट उतार दिया। हालांकि, उससे मिलने से पहले ही मैंने मन बना लिया था कि अगर शीतल नहीं मानती है तो मैं उसे रास्ते से हटा दूंगा।

25वीं वाहिनी में मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित

90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का एडीजी सजिद फरीद शापू ने किया सम्मानित

भोपाल (नप्र)। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विसबल, पुलिस मुख्यालय, भोपाल श्री साजिद फरीद शापू द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 10वीं/12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 7वीं/23वी 25वीं वाहिनी विसबल, भोपाल के पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के बच्चों का 25वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल भदभदा रोड़ भोपाल में आयोजित 'मेंधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह' में सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री शापू अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विसबल, पुलिस मुख्यालय, भोपाल के इकाई आगमन पर पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के बच्चों द्वारा गुलाब के पुष्प भेट किये गए। कार्यक्रम में उपस्थित उप पुलिस महानिरीक्षक म.क्षे. विसबल, भोपाल श्री अमित सांघी द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया जिसमें उनके द्वारा पुलिस परिवार के बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी गई। श्रीमान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विसबल, पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 कक्षा 10वीं/12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 7वीं/23वी/25वीं वाहिनी विसबल, भोपाल के

पुलिस अधिकारी/ कर्मचारियों के 18 बच्चों को मप्र पुलिस विशेष सशस्त्र बल की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिन्ह प्रदाय किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा अपनी सफलता के सफर में आई चुनौतियों एवं प्रेरणा के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विसबल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाले बच्चों को शुभकामनायें दी गई तथा भविष्य मे आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग रहकर जीवन में सफलता प्राप्त करने हेतु प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में श्री राजेश सिंह चंदेल (भा.पु. से.) सेनानी, 25वीं वाहिनी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। श्री चंदेल ने बताया कि बच्चों को उनकी उच्चकोटि की शैक्षणिक सफलता हेतु सम्मानित किया जाने का कार्यक्रम अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विसबल महोदय की प्रेरणा से आयोजित किया गया हैं जिससे पुलिस परिवार अन्य बच्चों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा मिले तथा आश्वस्त किया गया कि भविष्य में किसी भी प्रकार की सहायता के लिए वाहिनी द्वारा हर संभव प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर सेनानी 23वीं वाहिनी विसबल, भोपाल श्री अजय पाण्डेय (भापुसे) भी उपस्थित रहे। मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह के उपरान्त श्री साजिद फरीद शापू (भापुसे) अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विसबल, पुलिस मुख्यालय, भोपाल एवं उप पुलिस महानिरीक्षक मक्षे विसबल, भोपाल श्री अमित सांघी द्वारा 23वीं/25वीं वाहिनी विसबल, भोपाल में चल रहे 'समर कैम्प' में बच्चों हेतु आयोजित विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का अवलोकन किया गया। सेनानी 23वीं वाहिनी विसबल, भोपाल श्री अजय पाण्डेय (भापुसे) द्वारा समर कैम्प में चलने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। श्री शापू एवं श्री सांघी द्वारा समर कैम्प में भाग लेने वाले बच्चों के उत्साह एवं 23वीं/25वीं वाहिनी द्वारा समर कैम्प के सफल आयोजन हेतु किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की गई।

संपादकीय

पुरकायस्थ की रिहाई : बड़ा सबक

चीनी फंडिंग जैसे गंभीर आरोप में यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधि) एक्ट में गिरफ्तार वरिष्ठ पत्रकार और न्यूज क्लिक वेबसाइट के प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की जेल से रिहाई का आदेश मोदी सरकार के लिए झटका है। पुरकायस्थ को केवल कुछ संदेहों और अपर्याप्त सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने अपने आदेश में साफ कहा कि पुरकायस्थ को उनकी गिरफ्तारी के आधार के बारे में लिखित में बताया जाना चाहिए था जो नहीं किया गया। इसी आधार पर अदालत ने उन्हें रिहा करने का आदेश दिया। गौरतलब है कि यूएपीए एक्ट कठोर कानून है और इसके तहत किसी को भी बहुत मुश्किल से ज़मानत मिलती है। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट का यह महत्वपूर्ण फ़ैसला है और इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि एजेंसियां गिरफ़्तारी करते समय कानूनी प्रावधानों का पालन करेंगी। ध्यान रहे कि अगस्त 2023 में, न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी करोड़पति नेविल सिंघम से जुड़ा एक लेख प्रकाशित किया था। लेख में कहा गया था कि चीनी प्रोपगैंडा फैलाने के लिए सिंघम ने न्यूज़क्लिक को भी फंडिंग दी थी। इसके बाद, प्रबीर पुरकायस्थ और न्यूज़क्लिक के कई कर्मचारियों के खिलाफ़ भारतीय दंड संहिता और यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत ग़ैरक़ानूनी गतिविधियों, आतंकवाद और आपराधिक साजिश सहित अन्य आरोपों के तहत एफ़आईआर दर्ज की गई थी और पिछले साल 3 अक्टूबर को पुरकायस्थ को गिरफ़्तार कर लिया गया। इस गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था गिरफ्तारी के वक्त पुरकायस्थ को लिखित तौर पर यह नहीं बताया गया था कि ये गिरफ्तारी किस वजह से की गई है। साथ ही गिरफ्तारी के तीन दिन बाद भी उन्हे उनके खिलाफ दायर एफ़आईआर की कॉपी भी उन्हें नहीं दी गई। दिल्ली पुलिस ने पुरकायस्थ को हिरासत में भेजने के लिए चार अक्टूबर को सुबह छह बजे उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। जिस वक्त उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने ले जाया गया उस वक्त उनके वकील भी उपस्थित नहीं थे।इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने मजिस्ट्रेट की कार्रवाई पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उसने जल्दबाजी की। कोर्ट ने अपने फ़ैसले में कहा कि पूरा मामला गोपनीय तरीक़े से किया गया था और यह क़ानून की उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने की ज़बरदस्त कोशिश थी। सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा कि जिस व्यक्ति को यूएपीए या किसी अन्य अपराध के तहत गिरफ़्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी की लिखित जानकारी हासिल करना उसका मौलिक अधिकार है। अगर इसका अनुपालन नहीं किया गया तो व्यक्ति की हिरासत को अवैध घोषित कर दिया जाएगा। चूंकि प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ़्तारी मामले में इसका पालन नहीं किया गया, इसलिए उन्हें रिहा करने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 के किसी भी उल्लंघन से 'सख्ती से निपटा जाना चाहिए।' जानकारों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यक्ति के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने वाला है। इससे सरकारी जांच एजेंसियों की मनमानी पर कुछ तो अंकुश लगेगा। क्योंकि अब गिरफ्तारी का आधार जानने से गिरफ्तार व्यक्ति को कोर्ट में अपना मामला लड़ने में सुविधा होगी। प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं। इनमें से एक न्यूयॉर्क टाइम्स में छपे लेख के लिए चीनी फंडिंग का भी है। जहां तक चीन से दुष्प्रचार के लिए फंड मिलने की बात है तो यह बेहद गंभीर मामला है। लेकिन अदालत में इसे सिद्ध करने के लिए जांच एजेंसियों के पास ठोस प्रमाण होने चाहिए।

ओडिशा : दूर बैठी चिड़िया की आंख का निशाना

नजरिया

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ओडिशा में लोकसभा की 21 और विधानसभा की 147 सीटों के लिए चार चरणों में मतदान एक जून तक चलेगा। कतिपय अपवादों को छोड़ दें तो सर्वत्र मुकाबला कड़ा है। बीत चौबीस सालों से मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व में बीजू जनता दल सत्तारूढ़ है। बीजू जनता दल (बीजद) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में कई दौर की वार्ता के बावजूद गठबंधन की बात सिरे नहीं चढ़ी। अब मुकाबला बीजद और बीजेपी के दरम्यां है। कांग्रेस की मौजूदगी से अनेक सीटों पर संघर्ष त्रिकोणीय है, लेकिन कांग्रेस दौड़ में काफी पीछे हैं और भुलनेश्वर में उसकी प्रत्याशी के टिकट लौटा देने से पार्टी की काफी किरकिरी हुई है।

ऐसा नहीं है कि ओडिशा में बीजेपी और बीजद के मध्य गठबंधन मुमकिन नहीं था, लेकिन बीजद ओडिशा में दीर्घकालिक सुविचारित रणनीति पर चल रही है। वह उतावलेपन से बच रही है और छोटे भाई या पिछलग्गू पार्टी की भूमिका में नहीं आना चाहती। उसने खरामा-खरामा सूबे में पांव पसारे हैं। नवीन पटनायक बूढ़े हो चले हैं और उनके उत्तराधिकार को लेकर संशय है। कहना कठिन है कि वी के पांडियन उनकी विरासत को कितना आगे ले जा सकेंगे? जाहिर है कि समय के साथ बीजद का पराभव होगा। ऐसे में उनकी रिक्ति की पूर्ति स्वाभाविक तौर पर बीजेपी करेगी। कह सकते हैं कि ओडिशा में बीजेपी गाछ पर पत्तों में दुबकी उस चिड़िया की आंख का निशाना साध रही है, जो औरों को नजर नहीं आती। ओडिशा उसकी वरीयता सूची में है और वह लक्ष्यवेध के लिए सन्नद्ध है। यह अकारण नहीं कि भगवा-ब्रिगेड के रथी - महारथी ओडिशा आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, विदेशमंत्री एस. जयशंकर इसमें अग्रणी हैं।

बीजेपी इस तटीय प्रदेश में जीत के लिये कोई कोर कसर नहीं उठा रखना चाहती है। उसके नेता ताबड़तोड़ दौरे कर रहे हैं। धमेंद्र प्रधान और अश्वनी वैष्णव बेतरह सक्रिय हैं। युगल मंत्री सूबे के चप्पे-चप्पे से वाकिफ हैं। पीएम लगातार रोड-शो करेंगे और सभायें भी। विदेश मंत्री जयशंकर को बौद्धिकों को संबोधित करने का जिम्मा सौंपा गया है। वह भुवनेश्वर, कटक और संबलपुर जायेंगे। अश्वनी वैष्णव कभी बालासोर में कलेक्टर हुआ करते थे। उनके जिम्मे वहां से प्रताप षडंगी को जिताने का भार है। बीजेपी के दिग्गज आगंतुकों में जेपी नड्डा और नितिन गडकरी का भी नाम है। हर कोई ओडिया-अस्मिता की बात करता है। फंड की कमी नहीं है। ठठ्ठ के ठठ्ठ कार्यकर्ता छत्तीसगढ़, राजस्थान और त्रिपुरा से चले आ रहे हैं। पुरजोर कोशिश है कि माहौल भगवा हो जाये। घुट्टी पिलाई जा रही है कि बीजेपी को जिताने में ही ओडिशावासियों का भला है।

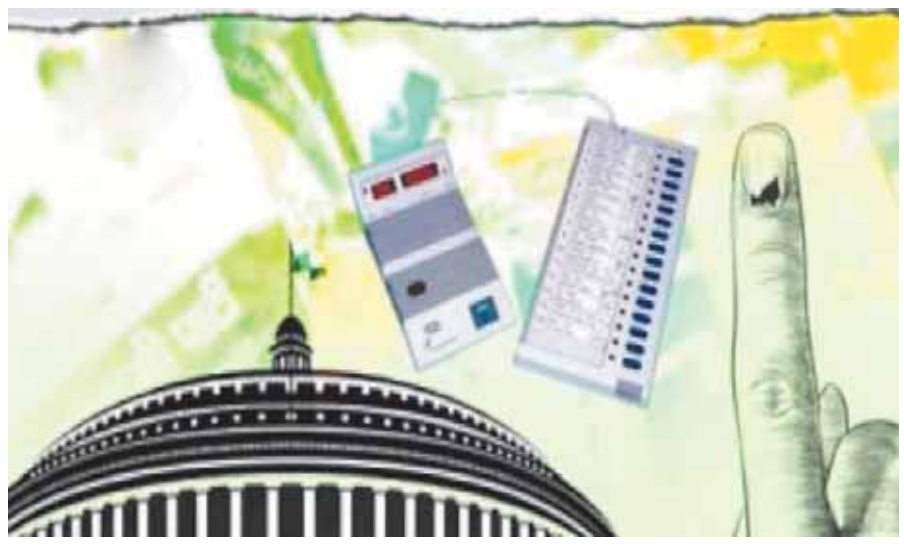

दूसरी तरफ 77 वर्षीय नवीन पटनायक के पास साधन तो हैं, लेकिन ऐसी टोली नहीं है। उनकी छवि उजली है। और उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है, लेकिन सत्ता में चौबीस साल का अर्सा कम नहीं होता। एंटी इंकबेन्सी उभर आई है। दूसरा कारण है, पांडियन। नवीन की आंखों के तारे ब्यूरोक्रेट -राजनेता पांडियन एक ओर तो विरोधियों के निशाने पर है, दूसरे पार्टी में उनका उत्थान बीजद के कई नेताओं को रास नहीं आया है। पांडियन को ओडिशा का डीफेक्टो सीएम माना जाता है। बताते हैं कि नवीन बाबू का उन पर जरूरत से ज्यादा अवलंबन है। दिल्लचस्प तौर पर नवीन बाबू और पांडियन चुनावी फैक्टर में बदल गये हैं। तालचेर के एक लेखक-पत्रकार की टिप्पणी पांडियन फैक्टर बीजेडी हारि बार कारण हेई पारे, किन्तु नवीन बालू र साफ इमेज बीजेडीर जितिब कारण हेई पारे। यानि बीजेडी जीतेगी तो नवीन बाबू के कारण और यदि हारी तो दोष होगा पांडियन का।

नवीन बाबू के लिये चुनाव-चौबीस करो या मरो सरीखा है। इस दफा उन्होंने अपनी रणनीति बदली है। बीजेडी इस बार दल-बदलुओं पर मेहरबान है। पार्टी ने इस बार अंदरखाने असंतोष की परवाह न करते हुये बरहामपुर, भुवनेश्वर, बरगढ़, बलांगीर,केन्द्र पाड़ा और बालासोर से अपने करीब एक दशक से बीजेपी में सक्रिय वनागंतुक नेत्री लेखश्री सामंतासिंघार पर दांव लगाया है। कहना कठिन है कि उन्हें पार्टी के पारंपरिक नेताओं और कार्यकर्ताओं का कितना सहयोग मिलेगा? बहरहाल, पार्टी ने एक तिहाई महिला उम्मीदवारों को चुनाव लड़ाने का अपना वचन निभाया है। उसने बालासोर के अलावा जगतसिंहपुर, जाजपुर, भद्रक, बरगढ़, कोरापुट और आस्का से नेत्रियों को टिकट दी है। असेंबली चुनाव में पूर्व महापौर अनंत- नारायण जेना को भुवनेश्वर, बृजकिशार प्रधान को तालचेर और संबित राउतरे की पत्नी गीतांजलि राउतरे को पारादीप से टिकट देकर सयानों का मान रखा है।

अन्य अनेक संसदीय क्षेत्रों की भांति इस बार कटक में भी दिलचस्प नजारा है। यहां से बीजद की टिकट पर संतृप्त मिश्र चुनाव लड़ रहे हैं। संतृप्त पेशेवर राजनीतिज्ञ नहीं है। 58 वर्षीय संतृप्त कुछ माह पूर्व ही बीजद और राजनीति में आये हैं। इससे पूर्व वह आदित्य बिड़ला समूह से जुड़े हुए थे और अन्य कंपनियों के अलावा बिड़ला कार्बन में सीईओ थे। वह कुमार मंगलम बिड़ला के बहुत भरोसे के काबिल अफसर थे, लेकिन अब उनका हुलिया और ढर्रा बदला हुआ है। सन 2022- 23 में उनकी सालाना आय 66 करोड़ रुपयों से अधिक थी। उनका कहना है कि वह समाज सेवा और बेहतर योगदान के लिए राजनीति में आये हैं और उनका लक्ष्य धन के बजाय संतोषधन है। वह नवीन बाबू के गुणों के कायल और उनके मुरीद है। उनका सामना किसी नवोदित से नहीं, बल्कि छह बार सांसद रह चुके भतृहरि मेहताब से है, जो कभी बीजद में हुआ करते थे। ओडिशा में 13 मई को जिन चार सीटों पर मतदान हुआ, वे हैं बरहामपुर, कालाहांडी, नबरंगपुर और कोरापुट । इनमें बरहामपुर को हॉट सीट माना जा रहा है, क्योंकि बरहामपुर सीएम का गृह जिला है। इसके चलते बीजेपी के सभी बड़े नेता यहां आये। ये सीटें बीजेपी की दुखती रगे हैं। बरहामपुर, नबरंगपुर और कोरापुट को बीजेपी कभी अपने बूते नहीं जीत पाई। उसने जब-तब इन्हें जीता भी तो बीजद के सहयोग से। बंगाली वोटरों को लुभाने के फेर में मल्कानगिरि में हेमंत विस्वसरमा की सभा भी हुई। नबरंगपुर में बीजद के प्रदीप मांझी, बीजेपी के बलभद्र मांझी और कांग्रेस के भुजबल मांझी में त्रिकोणीय संघर्ष है। कहना कठिन है कि मांझियों के संघर्ष में किस मांझी की नौका पार घाट लगेगी? अन्य निर्वाचन क्षेत्रों की बात करें तो कांग्रेस के लिये कोरापुट का अपना इकलौता विजयी किला बचाना आसान नहीं है। यहां सप्तगिरि उलाका को बीजद की कौशल्या हिकाका और बीजेपी के कालीराम मांझी से कड़ी चुनौती मिल रही है। उधर पश्चिमी ओडिशा की कालाहांडी सीट को बरकरार रखने की ऐसी ही चुनौती से बीजेपी जूझ रही है। उसने यहां अपना उम्मीदवार बदला है और पूर्व रियासत की मालविका केशरी देव को मैदान में उतारा है। कांग्रेस की ओर से यहां नया चेहरा द्रौपदी मांझी मुकाबले में है, वहीं बीजद ने लंबोदर नियाल पर दांव लगाया है, जो उस यादव-समुदाय से ताल्लुक रखते हैं, जिसके वोट यहाँ निर्णायक है। दिल्ली के रामजस कॉलेज की प्रोफेसरी छोड़कर कालाहांडी के चुनाव मैदान में धर्मानंद गाहिर के उतरने से भूख और दरिद्रता से ग्रस्त कालाहांडी के चुनाव ने रोमांचक मोड़ ले लिया है। प्रसंगवश उल्लेखनीय है कि पश्चिमी ओडिशा में बीजेपी ने मजबूती से पांव जमा रखे हैं और उसकी पूरी कोशिश यहाँ यथास्थिति बरकरार रखने की है। सन 2019 के आम चुनाव में उसने यहां की सभी सीटें कालाहांडी, बलांगीर, बरगढ़, संबलपुर और सुंदरगढ़ में जीत दर्ज की थी। संबलपुर में केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की प्रतिष्ठा दांव पर है। उनका सामना बीजद के संगठन सचिव प्रणब प्रकाश दास से है।

ओडिशा में चुनाव 24 का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि मुख्यमंत्री, नवीन पटनायक ने गंजाम की अपनी परंपरागत सीट हिंजिली के साथ-साथ बलांगीर में स्थित कांटाभाजी से भी चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। बीजद को उम्मीद है कि इस रणनीति से बीजेपी के पश्चिमी ओडिशा के किले में दरारे पैदा होंगी।

विश्व राजनीति

चेतनादित्य आलोक

लेखक पत्रकार हैं।

पश्चिमी देशों का नस्लवादी चेहरा

दुनिया के तमाम विकसित देश विशेषकर अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन आदि इस बात का शोर मचाते नहीं थकते कि वे सभ्य देश हैं और दुनिया भर में यदि लोकतंत्र एवं मानवाधिकार सुरक्षित है तो केवल उनके ही कारण... और वे ही हैं जो लोकतंत्र की गरिमा, शुचिता और इसका व्यावहारिक पक्ष सुरक्षित रखे हुए हैं, अन्यथा अब तक सब तरफ अराजकता का माहौल स्थापित हो गया होता। देखा जाए तो इन देशों की धरती पर ही निर्दोष एवं मासूम विदेशी नागरिकों के साथ जिस प्रकार के व्यवहार किए जाते हैं, वे इन्हें असभ्य, नस्लवादी, रूढ़ एवं असहिष्णु समाजों की सूची में शामिल किए जाने के लिए पर्याप्त प्रतीत होते हैं। इस संदर्भ में सबसे पहले चर्चा विदेश पढ़ाई करने जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों की, क्योंकि इस वर्ष (2024) जनवरी से मार्च तक में ही केवल अमेरिका में लगभग एक दर्जन भारतीय विद्यार्थियों की हत्या कर दी गई अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। भारतीय विद्यार्थियों की हत्या के ये आंकड़े चौंकाते तो हैं ही भयभीत भी करते हैं, क्योंकि ये आंकड़े अमेरिका में नस्लवाद के नए संस्करण के फैलाव के सबूत हैं... और बाइडेन प्रशासन के भारत के प्रति उपेक्षात्मक एवं नकारात्मक रवैये का संकेत भी। भारतीय विद्यार्थियों पर होने वाले हमलों में अब तक का सबसे ताजा मामला अमेरिका के क्लीवलैंड का है, जहां एक भारतीय छात्रा उमा सत्या साईं की संदेहास्पद मृत्यु हो गई थी।

इस प्रकरण को भारतीय मूल के लोग अभी भूल भी नहीं पाए थे कि क्लीवलैंड विश्वविद्यालय में आईटी-मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैदराबाद के एक विद्यार्थी के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आ गया। हैदराबाद निवासी मोहम्मद अब्दुल अरफात पिछले महीने विश्वविद्यालय के हॉस्टल स्थित अपने कमरे से अचानक लापता हो गया था। बता दें कि लगभग तीन सप्ताह तक लापता रहने के बाद अब्दुल अरफात क्लीवलैंड में ही मृत पाया गया था। इसी वर्ष मार्च में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर एक बीस वर्षीय भारतीय छात्र अभिजीत की मौत की जानकारी भी साझा की थी। उसी दौरान मिसौरी में एक प्रशिक्षित भारतीय नर्तक अमरनाथ घोष की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। फरवरी महीने में इंडियाना इलाके में 23 वर्षीय समीर कामथ, वॉशिंगटन के एक रेस्तरां के बाहर आईटी इंजीनियर विवेक तनेजा, जनवरी में 18 वर्षीय अकुल धवन एवं भारतीय छात्र विवेक सैनी की संदिग्ध हालत में हुई मौतें चिंताजनक तो हैं ही, पीड़ादायक भी हैं। इनके अतिरिक्त फरवरी 2024 में ही अमेरिका में चार अन्य भारतीय विद्यार्थियों पर जानलेवा हमले की खबरें भी आईं, जिनमें से तीन की मौत हो गई, जबकि एक छात्र को बचा लिया गया था। यह स्थिति तब है, जबकि भारतीय विद्यार्थियों के संबंध में दुनिया भर में प्रचलित है कि ये बेहद शालीन, विनम्र और अपनी पढ़ाई-लिखाई से वास्ता रखने वाले होते हैं।

ये कभी भी बेवजह सरकार विरोधी अथवा स्थानीय संस्कृति और सभ्यता के विरोध में किसी प्रकार के आंदोलन आदि में भाग नहीं लेते और न ही अपने कुटुंब अथवा मित्र देश का किसी भी प्रकार से विरोध, अपमान या अहित करते हैं। भारतीय विद्यार्थियों के साथ हो रहे अत्याचार एवं निमर्मतापूर्ण व्यवहारों से व्यथित होकर पेप्सिको कंपनी की सीईओ इंदिरा नूई ने विदेश विशेषकर अमेरिका और कनाडा पढ़ाई करने जाने वाले विद्यार्थियों के लिए दस मिनट का एक वीडियो मैसेज जारी कर यह बताने की कोशिश की कि भारतीय विद्यार्थियों के लिए अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन आदि जैसे विकसित और संपन्न देशों में पढ़ाई करने जाना और वहां अपना भविष्य तलाशने की कोशिश करना अब कितना दुष्कर हो गया है। नूई अपने वीडियो में भारतीय विद्यार्थियों को यह सलाह देती हैं कि विदेश पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों को अब बेहद सावधान रहने की जरूरत है। हालांकि कारोबारी जगत् की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में भारतीय प्रोफेशनलों के प्रमुखता से उभरने के कारण दुनिया भर में भारतीय प्रोफेशनलों की मांग दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। और यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत से विदेश जाकर शिक्षा प्राप्त करने और वहीं बस जाने का क्रेज भी बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार 2016-2021 के बीच 26.44 लाख विद्यार्थी विदेश पढ़ने गए।

वहीं, एक अनुमान के मुताबिक 2024 के अंत तक विदेश पढने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 20 लाख तक पहुंच जाएगी। केन्द्रीय मंत्री बी. मुरलीधरन के अनुसार 25 मार्च 2022 तक 13 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने जा चुके थे। एक अन्य सरकारी वक्तव्य के अनुसार 30 नवंबर 2022 तक 45 प्रतिशत वृद्धि के साथ विदेश पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 6.46 लाख थी। वैसे देखा जाए तो पश्चिमी देशों का नस्लभेदी रवैया बहुत पुराना है और यह केवल भारतीय विद्यार्थियों तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि इन विकसित देशों ने तो अपने असभ्य, नस्लवादी, रूढ़ एवं असहिष्णु आचरण का शिकार अनेक भारतीय कलाकारों, खिलाड़ियों एवं अन्य प्रोफेशनलों समेत कई बड़े और विख्यात् लोगों को भी बनाया है। याद कीजिए, 1893 में दक्षिण अफ्रीका में रेल यात्रा करते समय पीटरमारित्जबर्ग रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी के विरूद्ध अंग्रेज सहयात्री द्वारा किए गए क्रूर नस्लभेदी व्यवहार, जिससे प्रेरणा लेकर गांधी जी ने नस्लभेद तथा रंगभेद के खिलाफ संघर्ष शुरू किया था। हाल के वर्षों में भी योजनाबद्ध तरीके से सिलसिलेवार अंजाम दिए गए अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन समेत कई पश्चिमी देशों में हिंदुओं के धर्मस्थलों पर पत्थरबाजी, मारपीट, लूटपाट एवं आगजनी की घटनाओं को भला कौन भुला सकता है, जिसकी दहशत आज भी वहां के भारतवंशियों के मन में विद्यमान है।

इसी प्रकार लंदन में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ कार सवार युवकों द्वारा भरतीय अभिनेता जॉन अब्राहम और अभिनेत्री बिपाशा बसु के रंग और भारत के बारे में घटिया टिप्पणियां करना, 2008 में ब्रिटेन के एक रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' में कंटेस्टेंट जेड गुडी द्वारा बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी पर रंगभेदी टिप्पणी करना, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को अमेरिका में पढ़ाई के दौरान सांवले रंग की वजह से 'ब्राउनी' कहकर चिढ़ाया जाना, नस्लभेद की वजह से प्रियंका को हॉलीवुड की एक फिल्म में कार्य करने से वंचित कर देना और रूस-यूक्रेन युद्ध के आरंभ में पूर्वी यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों का नस्लभेदी व्यावहारों का शिकार होना आदि पश्चिमी देशों के क्रूर नस्लभेदी व्यवहारों के कुछ प्रमुख उदाहरण हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में सिडनी टेस्ट के दौरान दो खिलाड़ियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को दर्शकों द्वारा 'ब्राउन डॉग' कहकर संबोधित किया जाना तथा पूर्व खिलाड़ी और कॉमेन्टेटर आकाश चोपड़ा पर इंग्लैंड में लीग क्रिकेट के दौरान रंग के आधार पर अपमानजनक टिप्पणियां करना भी इसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

एक नेता के आँसू

कटाक्ष

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

लेखक युवा व्यंग्यकार हैं।

नेता जी मंच पर आते ही आँसुओं से भरी आँखों और कंपकंपाती आवाज़ में जनता को संबोधित करने लगे, 'मेरे प्यारे देशवासियों, आपकी तकलीफें मेरी तकलीफें हैं।' यह सुनकर जनता का दिल पिघल गया, मानो नेता जी उनके दर्द के साथी हों। लेकिन सच्चाई क्या है? आइए, इस व्यंग्य के माध्यम से जानें।

नेता जी का नाम हम रमेश बाबू रख लेते हैं, क्योंकि असल नाम बताने से कहीं वो बुरा ना मान जाएं। रमेश बाबू, राजनीति के महारथी, जब चुनाव का समय आता है तो उनके आँसू भी आ जाते हैं। वो गांव-गांव जाकर जनता की समस्या सुनते हैं, लेकिन जैसे ही कैमरा बंद होता है, उनके चेहरे की हँसी वापस आ जाती है। रमेश बाबू का गाँव दौरा किसी फिल्म के शूटिंग जैसा होता है। गाड़ी से उतरते ही, उनका पहला कदम धूल-मिट्टी में नहीं पड़ता, बल्कि रेड कारपेट जैसा बिछाया गया सफेद कपड़ा पर पड़ता है। गांव वालों के बीच जाते ही, वो एक किसान को गले लगाते हैं, मानो बहुत ही अपनापन हो। लेकिन जैसे ही किसान की हालत का जायजा लेते हैं, उनके मन में विचार आता है, 'कैसे लोग हैं ये, इतने गंदे कपड़े पहनते हैं।'

जब वे किसी गरीब के झोपड़े में बैठते हैं तब उनकी आँखों में आँसू आ जाते हैं। लेकिन ये आँसू उनके दुख के नहीं, बल्कि उन कीड़े-मकोड़ों से बचने के लिए होते हैं जो उनके शरीर पर रेंग रहे होते हैं। उन्हें देखकर लगता है जैसे वो किसी सर्कस के जोकर हों, जो लोगों को हँसाने के लिए ही बनाए गए हैं।

उनके हर भाषण में एक ही राग होता है, 'हम आपकी गरीबी मिटा देंगे, रोजगार दिलाएंगे, सबको शिक्षा मिलेगी।' लेकिन उनके मन में चलता है, 'ये सब बातें सिर्फ चुनाव जीतने के लिए हैं। असल में, इनकी हालत में सुधार हो भी गया तो हमारी राजनीति का क्या होगा?'

रमेश बाबू का असली चेहरा तब सामने आता है जब वो अपनी आलीशान कोठी में पहुँचते हैं। वहाँ पहुंचकर वो अपने साथियों के साथ हँसी-मजाक में लग जाते हैं, 'अरे भाई, आज फिर से जनता को बेवकूफ बनाया। देखा कैसे रोना शुरू कर दिया जब मैंने उनकी गरीबी की बात की?' और सब ठहाके मारकर हँसते हैं।

उनकी ये दोहरी जिंदगी देखकर लगता है जैसे वो जनता के दुख से नहीं, अपने ड्रामे से रोते हैं। उनकी आँखों के आँसू नकली हैं, और हँसी असली।

रमेश बाबू की रणनीति यही होती है कि चुनाव के पहले जनता के बीच जाकर थोड़ी बहुत सहानुभूति बटोर लो, और चुनाव के बाद उन्हें उनके हाल पर छोड़ दो। उनके भाषण में सच्चाई कम और फिल्मी डायलॉग ज्यादा होते हैं। 'हम देश को बदल देंगे', 'आपके बच्चे हमारे बच्चे हैं', ये सब उनके पसंदीदा संवाद हैं। लेकिन हकीकत में, उनके बच्चे विदेशी स्कूलों में पढ़ते हैं, और जनता के बच्चे सरकारी स्कूलों में बिना किताबों के। एक बार, रमेश बाबू ने चुनाव के दौरान एक बच्चे को अपने गोद में उठाया, और कैमरे के सामने कहा, 'माताजी, तुम्हारी सारी समस्याएँ मैं हल करूंगा।' लेकिन कैमरा बंद होते ही, उन्होंने अपने साथियों से कहा, 'इसका लड़का कितनी भारी है, मेरे हाथ दुख गए। न जाने किस चक्की का आटा खिलाती है'।

उनकी राजनीति का एक और नमूना देखिए, जब वो अस्पतालों का दौरा करते हैं। मरीजों के बिस्तर पर बैठकर फोटो खिंचवाते हैं, और कहते हैं, 'हम आपके साथ हैं।' लेकिन जैसे ही मरीज उनसे अपनी समस्या बताने की कोशिश करता है, वो इधर-उधर देखने लगते हैं, मानो वहाँ से भागने का रास्ता खोज रहे हों। रमेश बाबू का हर कदम, हर हँसी और हर आँसू, राजनीति के रंगमंच का हिस्सा है। उनकी असलियत तब सामने आती है, जब चुनाव जीतने के बाद वो जनता के बीच नहीं, बल्कि अपने बड़े-बड़े बंगले में नजर आते हैं।

उनकी इस दोहरी जिंदगी का एक और पहलू तब नजर आता है, जब वो गरीबों की बस्ती में जाते हैं। वहाँ जाकर उन्हें हर जगह गंदगी और बदबू महसूस होती है। लेकिन कैमरे के सामने आते ही, वो कहते हैं, 'यहाँ की हालत देखकर मेरा दिल दुखी हो गया। हम जल्द ही यहाँ सफाई अभियान चलाएंगे।' और जैसे ही कैमरा बंद होता है, वो तुरंत अपनी गाड़ी में बैठकर एयर फ्रेशनर छिड़कते हैं। रमेश बाबू की इस राजनीति को देखकर जनता का विश्वास टूट जाता है। लेकिन वो फिर भी हर बार उनके झूठे वादों और नकली आँसुओं में फंस जाते हैं। रमेश बाबू जानते हैं कि जनता को कैसे मूर्ख बनाना है, और वो इस कला में माहिर हैं।

उनकी हँसी, उनके आँसू, सब कुछ एक खेल का हिस्सा है। वो जनता को देखकर रोते हैं, और मन ही मन हँसते हैं।

नेता जी का ये नाटक चलता रहता है, और जनता उनकी इस अदाकारी में हर बार फंस जाती है। रमेश बाबू जैसे नेता हमारी राजनीति की सच्चाई हैं, जो अपनी स्वार्थसिद्धि के लिए जनता के भावनाओं का खेल खेलते हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

विवेक रंजन श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जाति ही पूछो साधु की

जमाना ज्ञान की पूंछ का नही बचा. जमाना नेता जी की पूंछ परख का है. नेताजी की पूंछ लंबी होती है वोट की संख्या से. वोट के बंडल बनते हैं जाति से. इसलिये साधु की जाति जानना बहुत जरूरी है. कबीर का दोहा 'जाति न पूछो साधु की, पूंछ लीजिये ज्ञान' अब आउट डेटेड हुआ. जब एक से चार चेहरो में से वोटर जी को कुछ भी अलग, कुछ भी बेहतर नही दिखता तो वह उम्मीदवार की जाति देखता है, और अपनी जाति के कैंडीडेट को यह सोचकर वोट दे देता है कि कम से कम एक कामन फैक्टर तो है उसके और उसके नेता जी के बीच, जो आड़े समय में उसके काम आ सकता है. और काम नही भी आया तो कम से कम जाति का ही भला होगा. तो इस सब के चलते ही हर राजनैतिक दल पहले हिसाब लगाता है कि किस क्षेत्र में किस जाति के कितने वोटर हैं, फिर उस गणित के ही आधार पर कैंडीडेट का चयन होता है. इसका कोई विरोध नही है, मीडिया भी मजे से इस सबकी खबरें छापता है, चुनाव आयोग भी कभी नही पूछता कि अमुक क्षेत्र से सारे उम्मीदवार यादव ही क्यों हैं ? या हाथी पर सवार पार्टी भी क्यो फलां क्षेत्र से लाला या पंडित उम्मीदवार ही खड़ा क्यों करती है.

कथित रूप से पिछड़ी जाति के होने का लेबल लगाकर, आरक्षण की सीढ़ीयां चढ़कर कुछ लोग एअरकंडीशन्ड चैम्बर्स में जा बैठे हैं. ये अपनी जाति की आरक्षित सुख सुविधाओ की वृद्धि के लिये सतत सक्रिय रहते हैं. हर विभाग, हर पार्टी, में इन्होंने अपनी जाति के नाम पर प्रकोष्ठ बना रखे हैं, और स्वयं अपनी कार पर नम्बर प्लेट के उपर जातिगत लालपट्टी लगाकर कानूनी आतंक का सहारा लेकर अपनी नेतागिरी चमका रहे हैं. जिन जातियों को आरक्षण सुख नसीब नही है वे लामबंद होकर अपने वोटो की संख्या का हवाला देकर आंदोलन कर रहे हैं और जातिगत आरक्षण की मांग कर रहे है. इन सब पर कोई प्रतिबंध नही है. क्योंकि जाति मे वोट छिपे हैं. लोग स्वयं को सदैव जितने हैं उससे कही अधिक बढ़ा चढ़ा कर बेहतर बताना चाहते हैं, पर आरक्षण के लिये उन्नतिशील जातियां भी सामूहिक रूप से आंदोलन करके स्वयं को पिछड़ा हुआ घोषित करने में गर्व अनुभव कर रही हैं. रेलें रोकी जा रही हैं, बंद के आयोजन हो रहे हैं, नेता जी आश्वासन दे कर अपने वोट साध रहे हैं. एक समय था जब कुछ लोगो ने देश प्रेम के बुखार में अपने जनेउ उतार फेंके थे. कुछ ने अपने सरनेम हिंदुस्तानी, भारतीय, आदमी, मानव, देशप्रेमी वगैरह लिखने शुरू कर दिये थे. पर ऐसे लोगो से स्कूल में प्रवेश के समय, नौकरी के आवेदन में, पासपोर्ट बनवाते समय, पुलिस जाँच में, न्यायालयो में हर कही सरकारी नुमाइन्दगे उनकी जाति भरवाकर ही मानते हैं. इस जाति की पूंछतांछ पर किसी न्यायालय तक को कोई आपत्ति नही है. आदमी है तो जाति है, जाति नही तो हाय तौबा है , पर जाति है तो मीडिया चुप, सरकार चुप, जाति संप्रदाय के लोग खुश. नाखुशी तो तब होती है जब फतवे की अवमानना की हिम्मत कोई करता है. मौत की धमकियां त

अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी आपत्ति

भारत ने ईरान के साथ चाबहार स्थित शाहिद बेहेस्ती बंदरगाह के संचालन के लिए एक समझौता किया है। 10 वर्षों के लिए हुए इस समझौते पर दोनों देशों के संधि पत्र पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं। हस्ताक्षर के चंद घंटों बाद भी अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने भारत को चेतावनी दे दी। कहा गया कि तेहरान के साथ व्यापार समझौता करने वाले किसी को भी इससे जुड़े प्रतिबंधों के संभावित खतरों का ज्ञान होना चाहिए। यानि संधि करने वाले ऐसे देश को अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है ? हालांकि पटेल ने यह साफ नहीं किया कि समझौते के बाद अमेरिका भारत पर प्रतिबंध की कोई कार्यवाही करने जा रहा है, लेकिन इतना जरूर कहा कि ईरान पर प्रतिबंध जारी रहेंगे। किंतु इस चेतावनी से जुड़े बयान के साथ ही यह भी कहा कि भारत सरकार अपनी विदेश नीति को अपनाने के लिए स्वतंत्र है। अमेरिका की यह आपत्ति भारत के इंडियन पोर्टस ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के बंदरगाह एवं समुद्री संगठन के बीच 13 मई को 10 साल के लिए समझौता हुआ है। भारत के जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोबाल ने ईरान पहुंचकर अपने समकक्ष के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। 2016 में भी ईरान और भारत के बीच चाबहार बंदरगाह संचालन हेतु समझौता हुआ था। इस नए समझौते को इसी समझौते का नवीनीकरण होना बताया जा रहा है। अमेरिकी आपत्ति की परवाह किए बिना विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि इस समझौते से बंदरगाह में बड़े निवेश का रास्ता खुलेगा। लोगों को इसे लेकर संकीर्ण दृष्टिकोण नहीं रखना चाहिए। जबकि अमेरिका पहले इस बंदरगाह की प्रासंगिकता की सरहाना करता रहा है।

इंडिया पोर्ट ग्लाबल लिमिटेड करीब 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी। भारत सरकार की यह संस्था सागर माला विकास कंपनी की सहायक कंपनी है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक चाबहार स्थित शाहिद बेहेस्ती बंदरगाह को विकसित करने के लिए ही इस कंपनी को अस्तित्व में लाया गया था। इसका लक्ष्य भूमि से घिरे अफगानिसतान और मध्य-एशियाई देशों के लिए मार्ग तैयार करना है। यह कंपनी कंटेनरों के संचालन से लेकर वेयर हाउसिंग तक का काम करती है। इंडिया पोर्ट ने इस बंदरगाह का संचालन सबसे पहले साल 2018 के अंत में शुरू किया था। तब ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मानवाधिकार उल्लंघन और चरमपंथी संगठनों को मदद करने के आरोप में अमेरिका ने ईरान पर तब से अनेक व्यापक असर डालने वाले प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इन प्रतिबंधों के दायरे में ऐसे व्यापार और देश भी शामिल हैं, जो ईरान के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारत की भी कुछ कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हुए हैं। 1998 में जब पोखरन में भारत ने परमाणु परीक्षण किया था तब भी अमेरिका ने भारत पर प्रतिबंध लगाए थे। हालांकि भारत ने ऐसे प्रतिबंधों की कभी परवाह नहीं की और वह ईरान समेत अनेक देशों से द्विपक्षीय वार्ताएं और समझौते करता रहा है।

अमेरिका जो भी सोचे, भारत के लिए यह समझौता एक बड़े व्यापरिक-सामरिक लाभ तो देगा ही चीन और पाकिस्तान के परिप्रेक्ष्य में एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी भी है। अतएव पाकिस्तान और चीन की सभी कूटनीतियों को दरकिनार करते हुए भारत ईरान के रास्ते पहुंचने वाले वैकल्पिक मार्ग, अर्थात चाबहार बंदरगाह के अधूरे काम को पूरा करने के समझौते के नवीनीकरण में सफल हो गया है। भारत सरकार अपने पूंजी निवेश से इस बंदरगाह पर पांच गोदियों का निर्माण कर रहा है, इनमें से दो बनकर तैयार हो गई हैं। इन्हीं में से एक पर भारत ने एक साल पहले गेहूं से भरा जहाज इस बंदरगाह पर भेजा था, जिसकी अगवानी ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने की थी। इसी के साथ इस बंदरगाह का औपचारिक उद्घाटन भी संपन्न हो गया था। भारत के लिए यह बंदरगाह आर्थिक, सामरिक एवं रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। इस परियोजना के पहले चरण को 'शाहिद बेहश्ती पोर्ट' के नाम से जाना जाएगा। वैसे चाबहार का अर्थ चारों ओर बहार अर्थात खुशहाली से है।

ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित इस बंदरगाह की भौगोलिक स्थिति बेहद अहम् है। चाबहार ओमान की खाड़ी में स्थित है। अतएव ये बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया, यूरोप, रूस और अफगानिस्तान में प्रवेश के लिए एक द्वार माना जाता है। चाबहार के सबसे निकट गुजरात का कंडला बंदरगाह 1016 किमी और मुबंई बंदरगाह की दूरी 1455 किमी है। यहां से महज 140 किमी दूर पाकिस्तान का ग्वादर बंदरगाह है। इसे चीन ने विकसित किया है। यह बहुत पहले से संचालित है। दरअसल पाकिस्तान ने कूटनीतिक चाल चलते हुए अपने क्षेत्र से भारतीय जहाजों को अफगानिस्तान ले जाने से मना कर दिया था। नतीजतन भारत ने वैकल्पिक मार्ग

की तलाश की और चाबहार बंदरगाह ईरान के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते के बाद अस्तित्व में आया। भारत के लिए यह रास्ता इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाक और चीन की मिली-जुली रणनीति के तहत भारत को दक्षिण एशिया में हाशिए पर डालने की कुटिल चाल अपनाई हुई है। चीन ने दक्षिण एशिया में बड़ा पूंजी निवेश करते हुए पाक, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल आदि देशों से मजबूत आर्थिक व सामरिक संबंध बना लिए हैं। इनके जरिए चीन एवं पाक ने भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार को प्रतिबंधित करने की कोशिश की थी, जो अब नाकाम हो गई है। भारत से बंदरगाह बनवाए जाने की बुनियाद 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और ईरानी राष्ट्रपति सैयद मोहम्मद खातमी ने डाली थी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सकारात्मक पहल के बाद परवान चढ़ रही है।

अटल बिहारी वाजपेयी जब प्रधानमंत्री थे, तब 2003 में ईरान के तत्कालीन खातमी दिल्ली आए थे। तभी भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को विकसित करने व रेल लाइन बिछाने और कुछ सड़कें डालने के समझौते हो गए थे, लेकिन विवादित परमाणु कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां अनुकूल नहीं होने के कारण भारत इन कार्यक्रमों में रुचि होने के बावजूद कुछ नहीं कर पाया था। इस समय भारत को परमाणु शक्ति के रूप में उभरने व स्थापित होने के लिए अमेरिकी सहयोग व समर्थन की जरूरत थी। भारत राजस्थान के रेगिस्तान में परमाणु परीक्षण के लिए तैयार था। परमाणु परीक्षण अप्रत्यक्ष तौर से परमाणु बम बना लेने की पुष्टि होती है। इसके तत्काल बाद पाकिस्तान और उत्तर कोरिया ने भी परमाणु बम बना लेने की तस्दीक कर दी थी। इसी समय भारत परमाणु निरस्त्रीकरण की कोशिश में लगा था। इस नाते भारत यह कतई नहीं चाहता था कि ईरान परमाणु शक्ति संपन्न देश बन जाए? गोया, भारत को परमाणु अप्रसार संधि के मुद्दे पर अमेरिकी दबाव में ईरान के खिलाफ दो मर्तबा वोट देने पड़े थे। इन मतदानों के समय केंद्र में मनमोहन सिंह प्रधनमंत्री थे। हालांकि 2012 में तेरहान में आयोजित गुट निरपेक्ष देशों के सम्मेलन में मनमोहन सिंह ईरान गए थे। उन्होंने सम्मेलन के अजेंडे से इतर ईरानी नेताओं से बातचीत भी की थी, लेकिन संवाद की करिश्माई शैली नहीं होने के कारण जड़ता टूट नहीं पाई थी। लिहाजा गतिरोध कायम रहा।

दरअसल चीन अपनी पूंजी से ग्वादर बंदरगाह का विकास अपने दूरगामी हितों को ध्यान में रखते हुए किया है। इसके मार्फत एक तो चीन हिंद महासागर तक सीधी पहुंच बनाने को आतुर है, दूसरे खाड़ी के देशों में पकड़ मजबूत करना चाहता है। चीन इसी क्रम में काशगर से लेकर ग्वादर तक 3000 किलोमीटर लंबा आर्थिक गलियारा बनाने में भी लगा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए चीन पाकिस्तान में 46 लाख अरब डॉलर खर्च कर रहा है। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई है कि चीन इस बंदरगाह से भारत की सामरिक गतिविधियों पर खुफिया नजर रखेगा। अलबत्ता अब भारत को ग्वादर के इर्द-गिर्द चीन व पाकिस्तानी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए मचान मिल गया है।

भारत के लिए चाबहार के मार्फत अफगानिस्तान समेत मध्य-एशियाई यूरोप और रूस तक आयात-निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की पहुंच सुगम होगी। हालांकि ईरान और भारत के बीच हुए इस समझौते के संदर्भ में एक बार फिर अमेरिका का दोहरा रवैया देखने में अया है। अमेरिका दुनियाभर के देशों को ईरान और रूस के साथ व्यापार नहीं करने के लिए धमकी देता रहता है। वहीं अमेरिका खुद दो साल से चल रहे, रूस से यूक्रेन के युद्ध के बावजूद रूस से यूरेनियम खरीद रहा है। हालांकि अब जाकर 13 मई को रूस में उत्पादित न्यूनतम संबर्धित यूरेनियम के आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए विधेयक पर हस्ताक्षर किए है। इस प्रतिबंध के अर्थ लगाए जा रहे हैं कि अमेरिका रूस पर अमेरिकी नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र की निर्भरता को कम चाहता है। बहरहाल भारत के ईरान से हुए इस समझौते से दुनिया को संदेश मिल गया है कि भारत किसी भी महाशक्ति की धमकी में आने वाला उेष नहीं रह गया है।

मुद्दा

अली खान

लेखक राजस्थान के प्रारंभिक शिक्षा विभाग में शिक्षक हैं।

अवैध होर्डिंग की समस्या से निपटने की चुनौती

देशभर में अवैध होर्डिंग की समस्या ने लोगों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। दरअसल, मुंबई में 13 मई को दोपहर करीब 3 बजे तेज आंधी आई। जिससे घाटकोपर में 100 फीट ऊंचा और 250 टन वजनी लोहे का होर्डिंग एक पेट्रोल पंप पर जा गिरा। इस दौरान कुछ कार, टू-व्हीलर्स और पैदल यात्री इसकी चपेट में आ गए। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 74 लोग घायल हो गए। जांच में सामने आया कि ये होर्डिंग अवैध था और 15 हजार वर्ग फीट से ज्यादा क्षेत्रफल में लगा था। इस होर्डिंग का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हो चुका था। उल्लेखनीय है कि होर्डिंग लगाने के लिए उस एजेंसी की अनुमति जरूरी होती है जिसकी भूमि पर होर्डिंग लगाई जा रही है। मुंबई में कई तरह की जमीनें हैं, जैसे कलेक्टर लैंड, सॉल्ट पैन लैंड, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट लैंड, बीएमसी लैंड आदि। इसलिए अगर कोई किसी जमीन पर होर्डिंग लगा रहा है तो उसे संबंधित लैंड अथॉरिटी से अनुमति लेनी पड़ती है। साथ ही बीएमसी की इजाजत भी जरूरी है। ऐसे में बड़ा सवाल कि आखिर इतने बड़े आकार के हॉर्डिंग लगाने की अनुमति क्यों दी गई? अब जब इतना बड़ा हादसा हो गया है तो किन-किन पर कार्रवाई की जाएंगी? क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी? इसे सुनिश्चित करने के लिए क्या-क्या प्रयास किए जाएंगे? ऐसे यक्ष प्रश्न आम आदमी के मस्तिष्क में कौंधने स्वाभाविक हैं।

आज देश के कमोबेश सभी शहर अवैध हॉर्डिंग की समस्या का सामना कर रहे हैं। शहरों की शायद ही ऐसी कोई लॉकेशन हो जो होर्डिंग व बैनर से अछूती हो। एक तरफ ये होर्डिंग, जहां ऐतिहासिक धरोहरों व इमारतों के सौंदर्य को ढक रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ लोगों के जान पर भी आफत बन रहे है। आज देश के सभी शहरों की सड़कें अवैध होर्डिंग से पटी हुई है। कई शहरों में इन होर्डिंग को हटाने की कवायद की गई, लेकिन यह समस्या जस की तस बनी हुई है। आज अवैध हॉर्डिंग की समस्या सड़क हादसों की वजह बन रही है। यह देखा गया है कि सड़कों पर लगे हॉर्डिंग के चलते वाहन चालकों को साइड देखने में दिक्कतें झेलनी पड़ती है। लापरवाही का आलम यह है कि कई बार फुटपाथ पर हॉर्डिंग को रख दिया जाता है जिसके चलते फुटपाथ पर

पैदल चलने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में लोग सड़कों पर चलने के लिए मजबूर हो जाते हैं, इस कारण भी कई बार हादसा हो जाता है।

देश के उस बहुचर्चित हादसे को कैसे भुला सकते है जिसमें एक अवैध हॉर्डिंग ने एक 23 वर्षीय युवती की जान ले ली थी । दरअसल, चेन्नई में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करने वाली 23 वर्षीय सुबाश्री अपने ऑफिस से घर की ओर जा रही थी, उसी दौरान रास्ते में एआईएडीएमके का अवैध रूप से लगी हॉर्डिंग युवती के ऊपर गिर गई थी। होर्डिंग के गिरते ही पीछे की ओर तेजी से आ रही एक टैंकर ने युवती को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई थी। यह महज एक चर्चित हादसा है, इसके अलावा भी देश में हर रोज ऐसे हादसे सुर्खियां बटोरते हुए देखे जा सकते हैं।

ऐसे में यक्ष प्रश्न खड़ा हो जाता है कि आखिर अवैध होर्डिंग के मकड़जाल से मुक्ति कैसे मिलेगी? सच्चाई यह है कि अगर सरकारी महकमा ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाए, तो इस विकराल रूप लेती समस्या से निपटा जा सकता है। हकीकत यह भी है कि राजनीतिक दल चुनावों में रैलियों व कार्यक्रमों के लिए जगह-जगह हॉर्डिंग व बैनर लगा देते हैं। उन्हें न किसी नियम की परवाह है और न ही किसी कानून की। इसके अतिरिक्त होर्डिंग-बैनर बनाने बनाने वाली एजेंसियों पर राजनीतिक दलों का हाथ होने से प्रशासन उनके आगे बेबस नजर आता है। इस परंपरा को खत्म किए जाने की सख्त जरूरत है, इसके बिना होर्डिंग्स के मकड़जाल को तोड़ पाना बेहद मुश्किल होगा। आज जरूरत इसकी है कि यदि कोई भी एजेंसी बिना पंजीकरण के कोई होर्डिंग लगाती है तो संबंधी एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा सभी एजेंसियों को सख्ती के साथ इस बात की हिदायत दी जानी चाहिए कि सड़कों के किनारे किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करें। अगर कोई ऐसा करते हुए पाया जाए तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो।

आज शहरों की सूरत को बिगाड़ने में होर्डिंग्स बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। शहरों की बिगड़ती सूरत को सुधारने के लिए शहरों में होर्डिंग लगाने के लिए महानगरों की तर्ज पर कमेटी का गठन किया जाना चाहिए। कमेटी की अनुशंसा और अनुमति के बाद ही होर्डिंग्स लगाई जानी चाहिए। आजकल शहरों में स्कूल, कोचिंग संस्थान और अन्य प्रतिष्ठान हर सरकारी और निजी भवनों को विज्ञापन स्थल का रूप दे रहे हैं। ये लोग बेतरतीब ढंग से अपने संस्थानों का प्रचार प्रसार करते हैं। देखा गया है कि ये लोग पैसा बचाने के चक्कर में बीच रोड पर और सड़क किनारे अवैध होर्डिंग लगाकर प्रचार प्रसार करते हैं। ऐसे में इनके विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यदि अब भी समय रहते नहीं चेते तो निकट भविष्य में मुंबई में घटित घटना की पुनरावृत्ति को झेलने के लिए बेशक हमें तैयार रहना होगा।

पर्यावरण

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

लू से जिंदगी हार जाते हैं डेढ़ लाख से ज्यादा लोग

हीटवेव और उसकी अवधि अब संकट का नया कारण बनती जा रही है। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के साथ ही चीन और रुस में हीटवेव के कारण सर्वाधिक मौत हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देशों में केवल लू के थपेड़ों की लपेट में आने से एक लाख 54 हजार से अधिक व्यक्ति अपनी जान गंवा देते हैं। प्रति दस लाख में से 236 व्यक्तियों की मौत हीटवेव के कारण हो रही है। रिपोर्ट की माने तो इनमें से हर पांचवां जान गंवाने वाला व्यक्ति भारतीय है। यह अपने आप में चिंतनीय और गंभीर है। यह अध्ययन भी 43 देशों के 750 स्थानों के तापमान के अध्ययन के आधार पर है। अध्ययन कर्ताओं के अनुसार पिछले 30 सालों में हीटवेव के कारण मौत के आंकड़ें में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

बात भले ही अजीब लगे पर यह सचाई है कि लू के थपेड़ों से डेढ़ लाख से अधिक लोग जिंदगी की जंग हार जाते हैं। वैसे तो दुनिया के सभी देश इससे प्रभावित हो रहे हैं पर भारत, रुस और चीन इससे सर्वाधिक प्रभावित हैं। प्रकृति का अत्याधिक और अंधाधुंध दोहन का परिणाम सामने आने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि धरती के बढ़ते तापमान से दुनिया के देश चिंतित ना हो या इससे बेखबर हो पर इसे संतुलित करने के प्रयासों में जो लक्ष्य हासिल किया जाना था वह अभी दूर की कोड़ी ही सिद्ध हो रहा है। हालात बेहद चिंतनीय और गंभीर है। भारत के साथ-साथ ही दुनिया के देश अब जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से दो चार होने लगे हैं। बेमौसम बरसात, तेज गर्मी, तेज सर्दी, आए दिन तूफानों का सिलसिला, भू स्खलन, सुनामी, ग्लेसियरों से बर्फ का तेजी से पिघलना, भूकंपन, जंगलों में आए दिन दावानल और ना जाने क्या-क्या दुष्परिणाम सामने आते जा रहे हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि मौसम के समय व अवधि में भी तेजी से बदलाव होता जा रहा है। कब बरसात आ जाएं तो कब तेज गर्मी और कब सर्दी के तेवर तेज या कम हो जाते हैं यह पता ही नहीं चल रहा है। सबसे चिंतनीय बात यह है कि हीटवेव की चपेट में आने से लोगों की मौतों में तेजी से इजाफा होने लगा है। देखा जाए तो यह हीटवेव मौत का कारण बनने लगी है।

हीटवेव और उसकी अवधि अब संकट का नया कारण बनती जा रही है। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के साथ ही चीन और रुस में हीटवेव के कारण सर्वाधिक मौत हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देशों में केवल लू के थपेड़ों की लपेट में आने से एक लाख 54 हजार से अधिक व्यक्ति अपनी जान गंवा देते हैं। प्रति दस लाख में से 236 व्यक्तियों की मौत हीटवेव के कारण हो रही है। रिपोर्ट की माने तो इनमें से हर पांचवां जान गंवाने वाला व्यक्ति भारतीय है। यह अपने आप में चिंतनीय और गंभीर है। यह अध्ययन भी 43 देशों के 750 स्थानों के तापमान के अध्ययन के आधार पर है। अध्ययन कर्ताओं के अनुसार पिछले 30 सालों में हीटवेव के कारण मौत के आंकड़ें में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

भारतीय मौसम विभाग की माने तो पूर्वी भारत में 1901 के बाद सर्वाधिक गर्मी इस साल अप्रेल में रेकार्ड की गई है। प.बंगाल में 2015

के बाद अप्रेल में सर्वाधिक लू के थपेड़ों को झेलना पड़ा है। इस तरह के कमोबेस हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है और उसके परिणाम स्वरुप समुद्र के किनारे बसे शहरों का अस्तित्व तक संकट में आने लगा है। दरअसल यह सारी समस्या मानव जनित समस्या है। अधांधुंध शहरीकरण, पेड-पौधों के जंगलों के जगह लोह कांक्रीट के खड़े होते जंगल, जन संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी और कार्बन उत्सर्जन में लगाम लगाने में विफलता के परिणाम सामने आते जा रहे हैं। जैविक विविधता प्रभावित होती जा रही है। आधुनिकीकरण के नाम पर नित नए प्रयोग होने लगे हैं। जलवायु को प्रभावित करने वाले उत्पादों का उपयोग बेतहासा बढ़ा है। दुर्भाग्यजनक हालात यह है कि जिस उत्पाद को हम आज उपादेय बता रहे हैं एक समय बाद वहीं उत्पाद से होने वाले नुकसान गिनाने लगते हैं। दूसरी और वातावरण की नमी को समाप्त कर तापमान बढ़ाने में इन उत्पादों की खास भूमिका हो रही है। इन सबके साथ ही इंसानी गतिविधियों में बदलाव होने के साथ ही दखल बड़ा है। एक समय था जब बड़े जोर शोर के साथ पोलिथीन को उतारा गया और आज दुनिया के देश पालिथीन से मुक्ति चाहने लगे है। इसका कारण भी साफ है लोगों को पालिथीन से होने वाले नुकसान का पता चलने लगा है। आज एसी, फ्रीज, ओवन आदि की घर घर उपलब्धता आसान हो गई है। अब ऐसी, फ्रीज या इस तरह के अन्य उत्पाद किस तरह से वातावरण को गर्म कर रहे हैं यह किसी से छुपा नहीं है। एक समय थर्मल पॉवर के प्लांट आवश्यकता थी पर आज कोयले की धुंआ के कारण किस तरह से वातावरध दुषित हो रहा है यह समझने लगे हैं। घर में जलने वाले बल्व की बात करें तो सामान्य बल्व से सीफएल और उसके बाद एलईडी और सोलर का युग आ गया। सवाल कई बार तो ऐसे लगता है जैसे कि मार्केट फोर्सेज भी बहुत कुछ प्रभावित करती है। आज आर ओ का सेचुरेशन आ गया तो इसका उपयोग हानिकारक बताया जाने लगा हैं उसी तरह से जापान में ओवन को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया जाने लगा है। ईंधन के जितने भी साधन है वे सभी वातावरण को दूषित करने में आगे हैं। इसी तरह से सुविधाजनक इलक्ट्रोनिक उत्पाद वातावरण को बिगाडने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे।

देखा जाए तो प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने का नजीजा सामने आने लगा है। वातावरण दूषित होने के साथ ही कभी सावन बिन बरसात रह जाता है तो कभी अप्रेल मई में भी बरसात के कारण सर्दी से दो चार होना पड़ जाता है। समय आ गया है जब इस समस्या के निराकरण के लिए विशेषज्ञों को खासतौर से ध्यान देना होगा नहीं तो हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जाएंगे। इसे भले ही चेतावनी समझा जाएं या कुछ और पर सब कुछ शीशे की तरह साफ है। अब समय आ गया है कि धरती के बढ़ते तापमान के स्तर को कम करने के उपायों पर गंभीरता से प्रयास किये जाएं।

नगर में बढ़ता जा रहा है, आवारा मवेशियों का आतंक

बच्चों और महिलाओं का घर से निकलना हुआ मुहाल

संजय द्विवेदी, बैतूल। बैतूल शहर में आवारा मवेशियों का आतंक बढ़ता जा रहा है जिससे नागरिकों का सड़कों, चौराहों पर पैदल चलना दुश्वार हो रहा है। जगह-जगह पर घूमते आवारा पशुओं के झुंड और आए दिन चौक और गलियों में लड़ते सांड नागरिकों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। हाल ही में चंद्रशेखर वार्ड सदर क्षेत्र में दो सांडों में घंटो भयानक युद्ध चला। जिससे संपूर्ण क्षेत्र में आतंक का माहौल रहा। वार्ड के लोग एवं उनके वाहन सांडों की लड़ाई की चपेट में ना आ जाए , इसलिए वे सुरक्षित स्थानों को शरण लेने में लगे रहे और नगर में यह नजारा आए दिन देखा जा सकता है। हालांकि इस लड़ाई का अंत एक सांड के गंभीर रूप से घायल होने के साथ हुआ, किंतु बड़ा प्रश्न यह है कि बढ़ते आवारा मवेशियों के आतंक पर अंकुश कब लगेगा।

उल्लेखनीय है कि भगतसिंह वार्ड और चंद्रशेखर वार्ड, जहां इन आवारा मवेशियों का आतंक ज्यादा दिखाई देता है, यहां के वार्डवासी बताते हैं कि सबसे ज्यादा दिक्कत महिला और बच्चों को है। स्कूल से छुट्टी के बाद बच्चे रोड पर कई खेल खेला करते हैं और ऐसे में दौड़ते-भागते-लड़ते यह मवेशी, बच्चों के लिए बड़ा संकट है जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। इन मवेशियों के चलते महिलाओं को बाहर निकलने में डर लगता है। अनेको बार मवेशी सब्जी लेकर लौट रही महिलाओं के झोले में मुंह डाल देती है तो कइयों बार महिलाओं को झोला फेंक के घर खाली हाथ वापस आना पड़ता है।

रविवार-गुरुवार के साप्ताहिक बाजार में मवेशियों का आतंक-

नगर में आवारा मवेशियों के आतंक का नजारा सदर क्षेत्र में प्रति रविवार एवं गुरुवार लगने वाले साप्ताहिक बाजार में देखा जा सकता है। जहां के सब्जी व्यापारी इन मवेशियों से आतंकित दिखाई देते हैं, वही सब्जी भाजी लेने आए विशेष तौर से महिलाओं में भी इनका डर दिखाई देता है। यह मवेशी बड़ी संख्या में साप्ताहिक बाजारों में घुसकर लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं और इन आवारा मवेशियों की विशेषता यह है कि इन्हें साप्ताहिक बाजार लगने वाले दिन का भी अहसास होता, प्रतीत होता है क्योकि यह साप्ताहिक बाजार के दिन ही इस सब्जी बाजार में पहुंचते हैं और साप्ताहिक बाजार में घुसकर बिकने आई सब्जियों एवं फलों को नुकसान पहुंचाते है। जिसके चलते दूर-दराज से आए गरीब किसानों तथा सब्जी बेचने आने वाली गरीब, बुजुर्ग महिलाओं को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इनका कहना-

हमारे द्वारा समय-समय पर सूचना मिलने पर इन आवारा मवेशियों को पकड़कर नगर पालिका की कढ़ाई गौशाला भेजकर मवेशी पालकों पर जुर्माना लगाया जाता हैं। आपकी शिकायत पर मैं सोमवार को ही इन वार्डो में जानवर पकड़ने वाली नपा कर्मचारियों की टीम भेजकर आवारा मवेशियों को पकड़ावाता हूं। हमारी समस्या यह है कि इन वार्डो के ही कुछ स्थानीय रहवासी, उच्चाधिकारीयों से कहकर इन आवारा सांडो को पकड़ने में बाधा बनते हैं, और बिना जुर्माना दिए मवेशियों को छुड़वाने की कोशिश करते हैं।

-संतोष धनेलिया, स्वच्छता निरीक्षक, नगर पालिका बैतूल

लंबे समय से हो रही आवारा मवेशियों पर अंकुश लगाने की मांग

नगरवासी लंबे समय से इन आवारा मवेशियों पर अंकुश लगाने के लिए इन्हें पकड़कर नगर पालिका की कढ़ाई गौशाला में ले जाकर उनके मालिकों पर जुर्माना करने की लंबे समय से मांग करते आ रहे हैं किंतु इसका कोई नतीजा आज तक नहीं निकला। एक ओर नगर पालिका कोई कार्रवाई नहीं कर पा रही है, वहीं दूसरी ओर मवेशियों का आतंक निरंतर बढ़ता जा रहा है। यहा उल्लेखनीय है कि सदर क्षेत्र के दो वार्डो भगत सिंह एवं चंद्रशेखर वार्ड में ढेरो घरों में मवेशी पाले जाते हैं। और यह मालिक इन मवेशियों को घर पर पालने के बजाय आवारा छोड़ देते हैं और मवेशियों को प्रशिक्षित कर देते हैं कि वह घर जाकर दूध दे जाए और फिर बाहर घूमकर या तो लोगों को नुकसान पहुंचाकर या फिर प्लास्टिक पन्नी, वेस्त मतेरिअल खाकर यह बस-ट्रक की चपेट में आकर चौराहे पर दम तोड़ दे। नगर पालिका द्वारा ऐसे मवेशी पालकों को चिन्हित कर उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए।

कांजी हाउस में रखा कबाड़, सड़क पर विचरण कर रहे मवेशी

आठनेर नगर में आवारा पशुओं का आतंक, नगर परिषद की निष्क्रियता से कांजी हाउस बना कबाड़ा हाउस

बैतूल। आठनेर नगर में गौवंश को संरक्षित रखने के नाम पर नगर परिषद आठनेर द्वारा लाखों रुपए खर्च कर बनाया गया कांजी हाउस में कबाड़ रखा है और मवेशी सड़कों पर खुलेआम धमाचौकड़ी मचा रहे हैं। सड़क पर खुला घूम रहे मवेशी, नगर में जहां गंदगी कर रहे, वहीं यातायात व्यवस्था भी ध्वस्त कर रहे हैं। वहीं सड़क पर चलते राहगीरों को भी परेशान कर रहे हैं। उपयोग न होने से कांजी हाउस बदहाल हो गया है, जबकि बदहाल पड़े कांजी हाउस को गौशाला में तब्दील कर उपयोग में लिया जा सकता है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। नगर परिषद आठनेर की निष्क्रियता के कारण नगर में आवारा पशुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है। कांजी हाउस की जीर्णशीर्ण स्थिति और अव्यवस्था से नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आठनेर के कांजी हाउस की हालत अत्यंत खराब हो चुकी है। यह स्थान, जो आवारा पशुओं को रखने के लिए बनाया गया था, अब कबाड़ से भर चुका है। वहां न तो पशुओं के लिए उचित व्यवस्था है और न ही उनकी देखभाल करने वाला कोई है। कांजी हाउस की इस दुर्दशा के कारण आवारा पशु खुले में घूम रहे हैं, जिससे नगर में दुर्घटनाओं और असुविधाओं का खतरा बढ़ गया है।

आवारा पशुओं का आतंक- आठनेर में आवारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। ये पशु सड़कों पर और सार्वजनिक स्थानों पर बेखौफ घूमते हैं, जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती है और लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। कई नागरिकों ने इस समस्या की शिकायत की है, लेकिन नगर परिषद की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

नागरिकों की मांग- आठनेर के रहवासी सतीश ठाकरे एवं ए.के. जितपुरे ने बताया कि नगरवासियों ने नगर परिषद से कई बार मांग की है कि कांजीहाउस की स्थिति को तुरंत सुधारकर वहां आवारा पशुओं को रखा जाए। इसके साथ ही कांजीहाउस की सफाई और व्यवस्था के लिए नियमित निरीक्षण किया जाए। परंतु नपा आठनेर के अधिकारियों की निष्क्रियता के परिणामस्वरूप ही कांजीहाउस की दुर्दशा हुई है। नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद आठनेर के अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए। अगर समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो न केवल नगर का सौंदर्य प्रभावित होगा, बल्कि नागरिकों खासकर महिलाओं व बच्चों को सड़कों पर निकलने पर खतरा बना रहेगा।

बैतूल में फिसलन क्राइम बेस्ड एपिसोड की शूटिंग

अज्ञात युवक की लाश मिलने से ग्रामीणों में हडक़ंप

बैतूल। स्थानीय कलाकारों द्वारा क्राइम बेस्ड एपिसोड फिसलन पर शॉर्ट फिल्म की शूटिंग की जा रही है। इस एपिसोड में एक अज्ञात युवक की लाश मिलने की घटना को प्रमुख रूप से दर्शाया जाएगा। रविवार को सोनाघाटी और आसपास के क्षेत्रों में इस एपिसोड की शूटिंग की गई।

शूटिंग का दृश्य- सोनाघाटी शिव मंदिर के पीछे एक अज्ञात युवक की लाश मिलने की सूचना पर थाना प्रभारी अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। अब यह मामला हत्या का है या आत्महत्या का, इसकी जांच की जा रही है। युवक की लाश मिलने की सूचना वहां खेल रहे बच्चों ने ग्रामीणों को दी, जिसके बाद पुलिस को बुलाया गया। इस घटना के कारण मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

सस्पेंस और रहस्य से भरी है कहानी- फिसलन एपिसोड के निर्देशक अमित कसेरा ने बताया कि फिलहाल इस क्राइम एपिसोड की शूटिंग बैतूल में की जा रही है। भोपाल और मुंबई के कुछ निर्माताओं से आर्थिक सहयोग के लिए बातचीत चल रही है। यदि सब कुछ सही रहा तो आने वाले दिनों में बैतूल, मुंबई और भोपाल के नामी कलाकारों के साथ अन्य स्थानों पर भी शूटिंग की जाएगी। इस एपिसोड की कहानी में एक युवक की मृत्यु होती है, जो कि हत्या है या आत्महत्या, यह सस्पेंस एपिसोड के दौरान उजागर किया जाएगा।

अमित कसेरा ने कहा, हम एक सस्पेंस और रहस्य से भरी कहानी पेश करने जा रहे हैं। दर्शकों को यह जानने में रुचि होगी कि युवक की मौत के पीछे क्या कारण हैं और कौन इसके पीछे है। बैतूल में इस तरह की शूटिंग से स्थानीय कलाकारों को भी एक बड़ा मंच मिल रहा है और यह क्षेत्रीय फिल्म निर्माण को बढ़ावा देगा।

अतिक्रमण की भेंट चढ़ गया मुख्य मार्ग का फुटपाथ

मुख्य मार्ग पर खड़े चार पहिया वाहन बने मुसीबत, प्रशासन कर रहा किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर एक ऐसा अनोखा नगर है जहां फुटपाथ का उपयोग पैदल चलने के बजाय अतिक्रमण के लिए होता है। फुटपाथ के कारण आवागमन व्यवस्था बनाना तो दूर व्यवस्था चौपट हो गई है । मुख्य मार्ग से पैदल चलना तो कठिन है ही वाहनों के साथ गुजारना और भी कठिन है। अब तो इन फुटपाथ निर्माण पर ही सवाल उठने लगे हैं। क्योंकि फुटपाथ के कारण अब मार्ग दोनों ओर से 6 फीट छोटा हो गया है और अतिक्रमण दोनों ओर से लगभग 10 फीट पर होता है और उसके बाद 10 फीट में वाहन खड़े रहते हैं। मार्ग के शेष भाग से पैदल चलने वाले, दुपहिया वाहन, चार पहिया वाहन को इस मार्ग से गुजरने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है। फुटपाथ और अतिक्रमण की समस्या के साथ ही सबसे बड़ी समस्या मुख्य मार्ग पर खड़े वाहनों की है पिछले दिनों पुलिस विभाग ने अलाउंस करके मुख्य मार्ग पर चार पहिया वाहन खड़े करने वालों को ताकीद किया था कि अगर वहां मुखी मार्ग पर खड़े रहेंगे तो चालानी कार्रवाई की जाएगी थाना प्रभारी ने सभी को एक सप्ताह का समय दिया था किंतु आज एक माह होने को है किंतु ना तो चालानी करवाई हुई ना अतिक्रमण पर ही अंकुश लग पाया। और आज मुख्य मार्ग पर खड़े वाहन किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण देते प्रतीत होते हैं। हालांकि इस क्षेत्र में अब तक कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई है किंतु छोटी-मोटी दुर्घटनाएं प्रतिदिन होती रहती हैं। आमतौर पर सड़क निर्माण के दौरान फुटपाथ का निर्माण पैदल चलने वालों के लिए किया जाता है। किंतु मुलताई नगर में इन फुटपाथ का उपयोग व्यापारी अतिक्रमण के लिए करते हैं पूरे फुटपाथ के ऊपर तो व्यापारी का कब्जा और सामग्री होती ही है इसके बाद कितना अतिक्रमण किया जा सकता है इसकी प्रतिस्पर्धा भी निरंतर बढ़ती जा रही है।

फुटपाथ खोजने हुआ कठिन- नगर के मध्य से गुजरने वाला प्रमुख मार्ग जिसके थाने के सामने वाले भाग में काली मंदिर से लेकर ताप्ती द्वार तक सड़क पर बने फुटपाथ को खोजना कठिन है । किराना दुकानों की आधी से ज्यादा सामग्री दुकान के बाहर फुटपाथ पर ही रखी होती है और इसके बाद दो पहिया वाहन या लोड अन लोड करने वाले वाहन खड़े होते हैं। जिसको लेकर दुर्घटनाएं हो चुकी अनेक शिकायतें की गई किंतु कोई हल नहीं निकला। सामान लाने ले जाने के लिए दुकानों के सामने खड़े चार पहिया वाहनों के कारण यहां आए दिन जाम लगता है। डाउन पोजिशन होने के कारण कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। दुकानों के सामने खड़े मालवाहक वाहनों कारण साइड से गुजरने वाली दो पहिया चार पहिया वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अनेकों बार वाहनों को नुकसान होता है

देखते बनती है अतिक्रमण की प्रतिस्पर्धा

इससे भीषण स्थिति अखाड़ा के सामने फुटपाथ कि है इस मार्ग के दक्षिण भाग में बने फुटपाथ पर अतिक्रमण को लेकर व्यापारियों की प्रतिस्पर्धा देखते ही बनती है। कोई एक व्यापारी जब पूरे पद पर कब्जा कर लेता है तो दूसरा व्यापारियों से बाहर जाने का प्रयास करता है और समस्या उन व्यापारियों को ज्यादा होती है जो अतिक्रमण नहीं करते उनकी समस्या यह है कि दोनों ओर से 2 लोग उनकी दुकानों को ढक देते हैं इस प्रतिस्पर्धा में अनेक व्यापारियों ने अतिक्रमण इसलिए कर रखा है क्योंकि बाजू वाले ने कर रहा है और जो व्यापारी अतिक्रमण नहीं कर रहे हैं। इस अतिक्रमण के चलते उनका व्यापार प्रभावित होता है। अनेक व्यापारी एवं नागरिकों ने हम से चर्चा में बताया कि आगामी समय में बनने वाले मार्ग में फुटपाथ का प्रावधान नहीं रखा जाए क्योंकि फुटपाथ निर्माण से व्यवस्था बिगड़ती है और मार्ग छोटा हो जाता है।

काजोल एवं विभोर सूर्यवंशी का सुयश

12वीं में हासिल किए 95.2 एवं 87.5 प्रतिशत से अधिक अंक

बैतूल। शहर के सबसे पुराने कम्प्यूटर संस्थान आईसीएसटी के संचालक द्वय सूर्यवंशी बंधुओं के लिए इस बार का सीबीएसई स्कूल का परीक्षा परिणाम दोहरी खुशी लेकर आया है। अकलांक पब्लिक स्कूल कोटा में अध्ययनरत् सीबीएसई पैटर्न कक्षा 12वीं बायो की मेधावी छात्रा काजोल पिता महेश सूर्यवंशी ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तथा उनके भाई विभोर पिता पुरुषोत्तम सूर्यवंशी ने 87.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल एवं परिवारजनों का मान बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि काजोल तथा विभोर सूर्यवंशी ने यह उपलब्धि अपने बड़े पापा पुरुषोत्तम सूर्यवंशी एवं पापा महेश सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में प्राप्त की है। दोनो बच्चों ने अपनी इस सफलता का श्रेय गुरुजनों एवं अपने माता-पिता तथा परिवारजनों के आशीर्वाद और उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, रिश्तेदारों, इष्ट मित्रों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

ब्रह्म से जीव के मिलन ही महारास : पं.गोविंद महाराज

भंडारे के साथ आज कथा होगी संपन्न

बैतूल। चिचोली के ग्राम ढोल्या में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण के 6वें दिन रविवार को श्रीकृष्ण- रूक्मिणी विवाह उत्सव मनाया गया। कथा वाचक पंडित गोविंद जी महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण को वेदों का सार कहा जाता है। श्रीमद् भागवत का अर्थ होता है जो श्री अर्थात चैतन्य, सौंदर्य व ऐश्वर्य से युक्त है। ये वो वाणी है, वो कथा है जो हमारे जड़वत जीवन में चैतन्यता का संचार करती है और जीवन को सुन्दर बनाती है। उन्होने बताया कि श्रीमदभागवत महापुराण ऐसी कथा अमृत है जो देवताओं के लिए भी दुर्लभ है। इसीलिए परीक्षित ने स्वर्गामृत के बजाय कथामृत की ही मांग की। क्योंकि इस कथामृत का पान करने से समस्त पापों का नाश हो जाता है। श्रीमद् भागवत कथा में व्यासपीठ पर विराजमान पंडित गोविंद जी महाराज ने उन्होंने कहा कि महारास का अर्थ जीव से जीव का मिलन नहीं अपितु ब्रह्म से जीव के मिलन को महारास कहा गया है। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में सजी रुक्मिणी विवाह उत्सव की झांकी और भाव विभोर होकर श्रद्धालुओं ने नृत्य किया। आज सोमवार विशाल भंडारे के साथ कथा को विराम लगेगा। आयोजकों ने कथा श्रवण और प्रसादी लाभ लेने का आग्रह किया है।

सस्ते लोन के प्रलोभन से होने वाली ठगी से बचें

आर्थिक जागरूकता शिविर संपन्न

बैतूल। आज के समय सोशल मीडिया के माध्यम से सस्ते लोन का प्रलोभन देकर लोगों के साथ ठगी की जा रही है। ऐसे ही आर्थिक, स्वास्थ्य और गृह लोन को लेकर लोगों में जागरूकता के उद्देश्य से कोठी बाजार बस स्टैंड में कल्याणकारी जनसेवा समिति जिसमें एलआईसी एचएफएल, एलआईसी, स्टार हेल्थ

कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस मौके पर एलआईसी के विकास अधिकारी विशाल शर्मा ने बताया कि एलआईसी ही जीवन सुरक्षा के साथ निश्चित रिटर्न देता है। एलआईसी हाउसिंग के नितिन शुक्ला ने बताया कि कुछ लोग पम्पलेट छपवाकर कम दस्तावेज में कम दर पर तुरंत गृह लोन का लालच देते हैं इससे सतर्क रहना चाहिए। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस कम फीस के साथ कम ब्याज की दरों पर आसानी से हाउसिंग फाइनेंस उपलब्ध करवाता है। स्टार हेल्थ के सीनियर एग्जीक्यूटिव विनय मंडाले ने बताया कि गलत जीवन शैली के कारण आजकल कई बीमारियां सुनने में आ रही है और इलाज में मध्यम वर्गीय परिवार की माली हालत खराब होते देखी जा सकती हैद्ध। ऐसे में पॉलिसी की हेल्थ सुविधा से अस्पताल के खर्चों से मुक्ति मिलती है। राम शक्ति कॉरपोरेशन फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट के राहुल मिश्रा ने बताया कि जीवन में सही तरीके धन प्रबंधन की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर कल्याणकारी जन सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक मिश्रा, उपाध्यक्ष आशिक भाई, रमाशंकर शुक्ला, सचिव डॉक्टर राजेंद्र ठाकुर, ऋषभ सोनी, मनीष पांडे, खुश्याल राने, विक्की खडिया आदि मौजूद थे।

श्री राजेंद्र सूरी शासकीय महाविद्यालय सरदारपुर - राजगढ़ की नैक टीम पहुंची गोदग्राम अमोदिया

धार। श्री राजेंद्र सूरी शासकीय महाविद्यालय सरदारपुर राजगढ़ की नैक टीम नैक प्रभारी प्रो.सरिता जैन के नेतृत्व में महाविद्यालय के गोदग्राम अमोदिया का दौरा किया. महाविद्यालय की कला संकाय विभागाध्यक्ष एवं नैक प्रभारी प्रो.सरिता जैन, विज्ञान संकाय विभागाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रो.सुरेन्द्र रावत तथा खेल अधिकारी श्रीमती रीना खाण्डेकर ने अमोदिया पहुंच कर गांव के लोगों से स्वच्छता के बारे में चर्चा की । प्रो सुरेन्द्र रावत ने स्वच्छता के महत्व को बताया तथा सभी बच्चों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया ,प्रो.सरिता जैन ने स्वच्छता एवं बीमारी के अंतर्संबंध को बताया तथा घर,बाहर एवं स्वयं को स्वच्छ रखने की बात कही रीना खाण्डेकर ने छोटे बच्चों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया तथा खेल के फायदे बताए . इस अवसर पर अमोदिया के सरपंच कँवर लाल , गांव के मुखिया मन्नालाल सोलंकी तथा वरिष्ठ नागरिक वरदीचंदजी चोयल तथा गांव की शिक्षिका पुष्प वरफा ने भी संबोधित किया . गांव के छोटे बच्चे महिलाएं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं निकिता चौधरी, मधुबाला लछेटा, दिया जैन, गायत्री मारू, अजय ,जितेंद्र माली ,आयुष गोयल ,रोहित सोलंकी तथा गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे कार्यक्रम के प्रारंभ में गांव की बालिकाओं ने महाविद्यालय टीम एवं अतिथियों का तिलक लगाकर एवं लच्छा बांधकर स्वागत किया . मधुबाला लछेटा ने अतिथियों का परिचय करवाया . संचालन महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रोफेसर सुरेंद्र रावत ने किया आभार अमोदिया के वरदीचंदजी चोयल ने व्यक्त किया।

गोदग्राम में महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश

धार। गोद ग्राम अमोदिया में महाविद्यालय की महिला कल्याण समिति की संयोजक एवं आइक्यूएसी प्रभारी प्रोफेसर सरिता जैन एवं रीना खांडेकर ने महिलाओं और बच्चियों तथा महाविद्यालय छात्राओं से चर्चा की सभी में अपार उत्साह देखा गया.प्रोफेसर सरिता जैन ने उपस्थित माताओ से अपील की कि वे बालक और बालिकाओं में भेद न करें, उनमें अच्छे संस्कारों का सिंचन करें ,उन्हें भरपूर प्रेम दे एवं अच्छी आदतों को विकसित करें पढ़ाई के साथ ही खेलकूद तथा गतिविधियों में भाग लेने की प्रेरणा दे ।

माँ ही उनकी गुरु है तथा प्रथम पाठशाला भी है. छोटी बच्चियों को गुड टच एवं बेड टच के बारे में बताया महिलाओं को स्टार्टअप एवं उद्यमिता के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें स्वरोजगार एवं गृह उद्योग के लिए प्रेरित किया गांव में मौसमी वस्तुएं जैसे आँवला ,केरी आदि से किस प्रकार आय अर्जित की जा सकती है इसकी जानकारी दी उन्हें मसाला उद्योग ,पापड़ ,बड़ी ,अचार, बनाकर उद्यम शुरू करने के लिए जागरूक किया ताकि वे आय अर्जन कर आर्थिक रूप से सशक्त हो सके, इस हेतु गांव की श पुष्पा बर्फा एवं समिति सदस्य रीना खांडेकर ने भी अपने विचार व्यक्त किये बहुत ही खुशनुमा वातावरण में चर्चा चलती रही तथा गांव की सुनीता लछेटा, अनीता लछेटा, हंजा बाई सोलंकी, पुष्पा वर्मा, पेमा बाई, ललिता बाई कोतवाल स्कूली छात्राएं तथा महाविद्यालय छात्राएं निकिता चौधरी,मधुबाला लछेटा ,दिया जैन,गायत्री मारू आदि ने अपनी उपस्थिति दे कर बहुत ही सजगता और जागरूकता दिखाई तथा सभी ने गांव की अन्य महिलाओं को सशक्त करने के लिए संकल्प लिया ।

संचालन महाविद्यालय की खेल अधिकारी रीना खांडेकर ने किया तथा आभार मधुबाला लछेटा ने माना।

मिलन समिति द्वारा वेल के शरबत का वितरण

नरसिंहपुर। वैशाख मास की मोहनी एकादशी पर मिलन समिति द्वारा वेल के शरबत का वितरण किया गया। इस अवसर पर मिलन समिति के संरक्षक एस, के, चतुर्वेदी, पंडित लक्ष्मण वैष्णव, तिवारी जी, गणेश कुमार नेमा, हेमराज विश्वकर्मा, बुद्धिप्रकाश विश्वकर्मा, अध्यक्ष संजय राय, सचिव छोटू पटेल, पप्पू राय, गोपालपुरी गोस्वामी, राजेन्द्र चौहान, दीपक रामावत, डा, बलराम सरकार सहित नन्हे बालक बालिकाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मानतुंगगिरी तीर्थ पर हुआ सुयत्न सागरजी का मंगल प्रवेश

धार। शनिवार को प्रातः काल में गुरूवर 108 सुयत्न सागरजी मसा का मानतुंगगिरी तीर्थ क्षेत्र पर मंगल प्रवेश हुआ। समाज एवं तीर्थ प्रबंध कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा मुनिश्री की अगवानी की गई। क्षेत्र के दर्शन पश्चात मुनिश्री के सान्निध्य में अभिषेक, शांतिधारा संपन्न हुई। शांतिधारा के लाभार्थी किशोर जैन एवं नरेश कुमार गंगवाल थे। तीर्थ की प्रेरक क्षुल्लिका चंद्रमति माताजी का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष नरेश गंगवाल, संजय बेरछा, संजय दिलावरा, नेहा छाबड़ा, ममता लुहाड़िया, हीरामणि, द्रोपदी बाई, विमल जैन, संजय, राजू, बद्री आदि ने उपस्थित होकर धर्मलाभ लिया। किशोर जैन द्वारा धार्मिक कार्यक्रम को संचालित किया। जानकारी मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ने दी।

राजनैतिक दलों की बैठक 22 मई को होगी

नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत मतगणना 4 जून को सम्पन्न होगी। मतगणना के संबंध में राजनैतिक दलों की बैठक 22 मई को दोपहर 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जावेगी। पूर्व में यह बैठक 21 मई को आयोजित होने वाली थी। बैठक में मतगणना की तैयारियों के संबंध में आवश्यक चर्चा की जायेगी। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर कलेक्टर नरसिंहपुर ने दी है।

वर्षा पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक 22 मई को

नरसिंहपुर। अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारियों के संबंध में कलेक्टर की अध्यक्षता में 22 मई को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जायेगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने के लिए कहा गया है। यह जानकारी संयुक्त कलेक्टर नरसिंहपुर ने दी है।

कविवर नीर का सम्मान एवं काव्य गोष्ठी

नरसिंहपुर। विगत दिवस वरिष्ठ जन परिषद के वरिष्ठ सदस्य साहित्यकार कवि रमाकांत गुप्ता नीर का परिषद द्वारा पुष्पमाला शाल श्रीफल से स्वागत सम्मान और नागरिक अभिनंदन किया गया। राम जानकी मंदिर धनारे कालोनी नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान चालीसा और मां सरस्वती की वंदना से हुआ। डा.महेश त्रिपाठी,एम एल हरदेनिया,जगत नारायण तिवारी,ओ पी स्वामी अशोक वर्मा,बी एस पटेल,सी पी मिश्रा,डी डी गोस्वामी यू एस उपाध्याय आर के श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ जनों ने रमाकांत गुप्ता नीर के अभिनंदन पत्र व काव्य लेखन को रेखांकित किया। उक्त अवसर पर नीर जी के सम्मान में काव्यगोष्ठी में काव्यपाठ करते हुते पं.सी बी शर्मा,मदन श्रीवास्तव,सी पी मिश्रा,विजय शर्मा डा महेश त्रिपाठी गणेश कुमार चतुर्वेदी विष्णु नेमा व रामसेवक श्रीवास ने भावविभोर कविताएं प्रस्तुत की।ओज हास्य कवि अशोक त्रिपाठी ने बुजुर्गों के सम्मान में गरिमामय काव्यपाठ यूं किया..दरों दीवारे दुर्ग होते हैं,धरा अम्बर और स्वर्ग होते हैं,खूश्बू महकती है उस फिजा में,जिस घर आंगन में बुजुर्ग होते हैं। कविवर रमाकांत गुप्ता नीर ने भी अपने काव्यपाठ से नूतन संदेश यूं दिया..दुधी दूध से नहलाती शक्कर देती मीठापन, नरसिंहपुर की प्यारी माटी सबको देती अपनापन।

कन्या भ्रूण हत्या को करने वाला सात जन्मों के पापों का भागीदार हो जाता है

चिटनिस चौक में 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

धार। चिटनिस चौक में पीपलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में चल रही भागवत कथा के दौरान व्यासपीठ पर विराजित कथा वाचक पंडित दिपक महाराज ने कथा के तृतीय दिवस में राधा जन्मोत्सव के महत्व को बताया. व्यासपीठ पर विराजित कथा वाचक पंडित दीपक महाराज ने कहा कि वर्तमान समय मे हमारे समाज में कन्या भ्रूण हत्या विकट समस्या का रूप ले चुकी है जिसके दुष्परिणाम आए दिन सुनने और देखने को मिलते है. परिवार और समाज में बेटियों के महत्व और उनके प्रति आदर सम्मान के भाव को जागृत करने के साथ कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से श्रीमद भागवत कथा के दौरान राधारानी के जन्मोत्सव का वृतांत सुनाकर परिवार और समाज को जागृत करने का प्रयास किया जा रहा है. गरुड़पुराण के अनुसार कन्या भ्रूण हत्या को करने वाला सात जन्मों के पापों का भागीदार हो जाता है.उन्होंने कहा कि इस महापाप में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जो भी सहयोग करता है वह मनुष्य जीवन के साथ अपने स्वयं के कुल को कलंकित करता है. हम लोग नवरात्रि के दौरान केवल एक दिन कन्या पूजन करते हैं बल्कि अब हमे समाज के प्रत्येक व्यक्ति के मन में यह भाव जागृत करना चाहिए की नवरात्रि के एक दिन ही नही बल्कि वर्षभर प्रतिक्षण स्त्री और कन्यापूजन कर उनके आत्म सम्मान एवं रक्षण का संकल्प लेकर कार्य करना चाहिए कथा के दौरान प्रतिदिन भजन गायक शिवम मालवीय और उनकी टीम सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दे रहे है।

रमाकांत कौरव को राज्य सूचना आयोग ने प्रदान किया प्रशस्ति पत्र

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के माध्यम से किए गए उत्कृष्ट कार्यों को लेकर करेली निवासी आरटीआई एक्टिविस्ट रमाकांत कौरव को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह द्वारा गुरुवार को भोपाल में यह प्रशस्ति प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने तथा कार्यप्रणाली में खुलेपन व सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में ईमानदार प्रयास करते हुए समाज की बेहतरी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रदेश के कुछ चुनिंदा आरटीआई कार्यकर्ताओं को मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग द्वारा यह प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। विदित हो कि आमजन को सूचना का अधिकार अधिनियम के रुप में एक बहुत बड़ी ताकत प्राप्त है जिसका प्रयोग कर आम आदमी शासन प्रशासन से उन तमाम जानकारियों दस्तावेजों को मांग सकता है जिन्हे संबंधित विभाग द्वारा लोकसभा या विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है। परंतु इस अधिनियम से सम्बन्धित जानकारी के अभाव में लोग इसका उपयोग नहीं कर पाते हैं। आरटीआई कार्यकर्ताओं द्वारा इस एक्ट का उपयोग कर लोगों को जागरुक करने का कार्य किया जाता है। ज्ञात हो कि रमाकांत कौरव द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम का उपयोग करते हुए जानकारी प्राप्त कर भ्रष्टाचार को लेकर नरसिंहपुर जिले के पूर्व कलेक्टर वेद प्रकाश के विरुद्ध शिकायत की गई थी जिस पर लोकायुक्त पुलिस द्वारा अपराध दर्ज किया गया है जिस पर विवेचना जारी है।

पीएम श्री शासकीय विद्यालय करकबेल में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण आयोजन

- कौशल विकास की ओर विद्यार्थियों का रुझान
- जैविक कृषि को बढ़ावा देने छात्र छात्राओं में उत्साह

नरसिंहपुर। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के आदेश के परिपालन में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन , जिला शिक्षा अधिकारी श्री एच पी कुर्मी के मार्गदर्शन में पी एम श्री शासकीय विद्यालय करकबेल में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में छात्र छात्राओं द्वारा अपनी रुचि के अनुसार सहभागिता की जा रही है। प्राचार्य श्री रघुवीर प्रसाद लोधी द्वारा छात्र-छात्राओं में खेल एवं कौशल विकास की रचनात्मक गतिविधियां हेतु विद्यालय स्तर पर समुचित संसाधनों की व्यवस्था की गई है। विद्यालय में बच्चों की रुचि अनुसार खेल , कबड्डी, कृषि के कार्यों संबंधी प्रशिक्षण समर कैंप के दौरान दिया जा रहा है।व्यायाम शिक्षक के एस झारिया द्वारा बच्चों की रुचि के अनुसार मैदान पर खेल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के उद्देश्य से समर कैम्प का आयोजन 13 मई से 13 जून 2024 की अवधि में प्रातः 08:00 बजे से 11:00 बजे तक किया जा रहा है। इसमें प्रचलित खेलों में से चयनित खेलों का प्रशिक्षण, पेंटिंग, डांस, संगीत, विद्यार्थियों की अभिरूचि के अनुसार अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां में बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता दी जा रही है।

साफ-सफाई के मामले में नगरपालिका फेल

मजबूरी लोगों की चलें गंदगी में..

नर्मदापुरम। साफ-सफाई के लिए जानी जाती नगरपालिका साफ-सफाई के मामले में ही पूरी तरह फेल हो चुकी.. अब लोगों की मजबूरी बन चुकी वे गंदगी में ही आवाजाही करें. इसका कारण यह भी है कि नगरपालिका नगर जनसेवा करने के लिए नहीं, राजनैतिकों और प्रभावशालियों के व्यक्तित्व हित साधने वाली सरकारी संस्था बना ली गई है। वर्तमान परिषद की कार्यप्रणाली से नगर में ऐसा ही कुछ समझ आता है।

नगरपालिका की कमान विधायक के हाथों में है लेकिन संचालित कहीं ओर से भी हो रही.. हालिया के वाक्ये से इसे ऐसा समझा जा सकता है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमश्वरी पटले जो पूर्व में इटारसी मुख्य नगरपालिका अधिकारी रह चुकी ने 13 तारीख को स्वच्छता मिशन योजना के क्रियान्वयन को लेकर कार्यालयीन कार्य विभाजन किया, निकले आदेश से नगरपालिका जिसे नगर से सात किलोमीटर दूर पंप से ईंधन लेने में पन्द्रह दिन के बिल पैठे करीब आठ लाख रुपए भुगतान करना पड़ता। ईंधन लेने की बागडोर जिसके हाथों में थी। आदेश से उसके हाथों से निकल गई, बबाल मच गया। तीन घंटे में मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने संशोधित आदेश निकाले बगैर.. आदेश क्रियान्वयन पर मौखिक आदेश से रोक लगा दी.. यह आदेश जनहित का था। सात किलोमीटर दूर पंप से गाड़ियों में दस हजार रुपए रोज का ईंधन आने जाने में खामखां लग रहा। यह महिने का करीब तीन लाख, साल के 36 लाख पंप वाले को उपकृत करने के चक्कर में देना पड़ रहा। उधारी में मिल रहा ईंधन कहकर विधायक प्रतिनिधि इस पंप का मोह छोड़ नहीं पा रहे। परिणाम भी सामने है। नगर की साफ-सफाई व्यवस्था चरमरा चुकी है। पांच किलोमीटर में फैले 33 वार्डों में विभक्त सफाई कर्मचारी बामुश्किल काम कर रहे। जिम्मेदार अधिकारी और नेताओं के आवासों के आस-पास नियमित साफ-सफाई हो जाने के कारण सिरदर्द मोल नहीं लेते। पर तकलीफ उठाना पड़ती है स्थानीय नागरिकों को और बाहर से नगर आने वाले तीर्थयात्रियों को इसे देखकर कहा जा सकता साफ-सफाई के लिए जानी जाती नगरपालिका साफ-सफाई मामले में भी फेल हो चुकी।

आध्यात्मिक लाभ की प्रगति के लिए जुड़ें भक्तजन

संजीव डे राय

नर्मदापुरम। एलआईसी दफ्तर के उपर द्वितीय तल स्थित इस्कॉन मंदिर परिवार में आज एक बार फिर स्वयं को आध्यात्मिक प्रगति की सही दिशा में ले जाने यहां भगवान कृष्ण की प्रसन्नता के लिए होने वाली मंगल आरती में पहुंचे थे सुबह पांच बजे से प्रतिदिन प्रारंभ होकर पांच बजकर चालीस मिनट तक चलने वाली आराधना में शामिल होकर उन्होंने काफी संतोष महसूस किया। रविवारीय अवकाश का दिन होने के कारण इस दिन मंदिर में सरकारी काम-काज करने वाले भक्तों की संख्या और ज्यादा हो जाती जो चालीस मिनट चलने वाली आराधना में शामिल होकर न केवल गौरवान्वित महसूस करते बल्कि भगवान की भक्ति से स्वयं को तरोताजा महसूस करते हैं। भगवान कृष्ण की आराधना, हरिनाम संकीर्तन फिर भगवान नरसिंह देव की आराधना और तुलसी महारानी की स्तुति के पश्चात सभी भक्तों ने सामूहिक महामंत्र जाप किया। फिर सुबह सवा सात बजे सभी भक्तों ने दर्शन आरती का अलौकिक आनंद लेकर गुरु पूजा में भागीदारी की.. वृन्दावन चंद्र दास प्रभु की उपस्थिति में आज कृष्ण भक्तों ने मोहिनी एकादशी व्रत का भी पालन किया, यथारुप श्रीमद्भागवत गीता आख्यान के पश्चात उपस्थित सभी भक्तों ने एकादशी प्रसादम ग्रहण किया मंदिर में आज कैलाश नाथ दास प्रभु ने मंगल आरती गायन किया जिसे सभी भक्तों ने क्रमश दोहराया, भक्त दर्पण ने भगवान नरसिंह देव आराधना सम्पन्न कराई और वृन्दावन चंद्र दास प्रभु के मधुर कंठ से भक्ति देवी तुलसी महारानी की आरती का रसास्वादन भक्तों ने बड़े ही तन्मयता से की.. भगवान कृष्ण की भक्ति में स्वयं को सराबोर रखने इस्कॉन मंदिर परिवार के मुखिया प्रणव दास प्रभु जी आप सभी को मंदिर में आमंत्रित करते हैं तो आईए और आध्यात्मिक जीवन की प्रगति के लिए नगर में इस्कॉन मंदिर परिवार द्वारा चलाए जाने वाले कार्यक्रमों में भागीदार बनकर आध्यात्मिक प्रगति के लिए प्रयास करें और इस दिशा में प्रयास कर रहे कृष्ण भक्तों का दुगुने उत्साह से मनोबल बढ़ाएं ।भीषण गर्मी को देखते हुए मंदिर में आज दोपहर कार्यक्रम स्थगित कर शाम सात बजे नंदीग्राम से नर्मदापुरम मंदिर में पधारे श्रीमान जय नित्यानंद प्रभु जी के सानिध्य में यथार्थ श्रीमद् भगवत गीता के दसवें अध्याय के 33 वे श्लोक पर विस्तार से आख्यान हुए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्यभारत प्रांत के शिक्षा वर्ग प्रारंभ

इटारसी में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में 324 कार्यकर्ता एवं राजगढ़ में 332 कार्यकर्ता हुए हैं शामिल, 15 दिन चलेगा प्रशिक्षण

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के मध्यभारत प्रांत के तरुण व्यवसायी कार्यकर्ताओं एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्यकर्ताओं के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन इटारसी एवं राजगढ़ में किया जा रहा है। दोनों ही स्थानों पर संघ शिक्षा वर्ग 18 मई से प्रारंभ हो गए हैं, जिनका औपचारिक उद्घाटन 19 मई को किया गया।

इटारसी के संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन वर्गाधिकारी श्री घनश्याम रघुवंशी, वर्ग कार्यवाह श्री कदम सिंह मीणा और प्रांत कार्यवाह श्री हेमंत सेठिया ने किया। वहीं, राजगढ़ के वर्ग का उद्घाटन वर्गाधिकारी श्री सुनील पाठक, वर्ग कार्यवाह श्री राघवेन्द्र त्रिपाठी और वर्ग पालक श्री विक्रम सिंह ने किया। संघ शिक्षा वर्ग में शामिल शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है। 15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे। इटारसी के धुरपन ग्राम में स्थित सेवा भारती के छात्रावास आयोजित संघ

शिक्षा वर्ग के उद्घाटन में वर्ग कार्यवाह श्री घनश्याम रघुवंशी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से प्रतिवर्ष अपने कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया जाता है। संघ शिक्षा वर्ग में हमें मन की साधना, स्व-अनुशासन, त्यागपूर्ण जीवन, सामूहिक जीवन के सामंजस्य को सीखते हुए विविध प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना है। यहाँ हमें सामूहिक जीवन को व्यापक संदर्भ में समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ग में हमें स्वयं के लिए कठोर अनुशासन का पालन करना है और अपनी सुविधा से पहले सह-शिक्षार्थियों की सुविधा का ध्यान रखना है। राजगढ़ में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग के उद्घाटन में वर्ग कार्यवाह श्री राघवेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग एक साधना है। मनःपूर्वक यह साधना पूर्ण करने से कार्यकर्ता का विकास होता है और उसके भीतर संगठन कार्य का कौशल बढ़ता है। उन्होंने बताया कि संघ शिक्षा वर्ग में शामिल हुए युवा संघ कार्य का प्रशिक्षण तो प्राप्त करेंगे ही, इसके साथ ही उन्हें शारीरिक, बौद्धिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। सेवा और प्रबंधन के कार्य का प्रशिक्षण भी विशेषतौर से दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि संघ के स्वयंसेवक देशभर में डेढ़ लाख से अधिक सेवा कार्यों का संचालन करते हैं। आपात स्थिति में राहत कार्यों में भी संघ के स्वयंसेवक आगे आकर कार्य करते हैं। 31 जिलों के कुल 656 स्वयंसेवक ले रहे हैं प्रशिक्षण संघ की रचना के 31 जिलों के कुल 656 स्वयंसेवक दोनों स्थानों पर आयोजित संघ शिक्षा वर्गों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनमें इटारसी में 324 स्वयंसेवक शामिल हुए हैं और राजगढ़ में 332 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया है। उल्लेखनीय है कि जिन स्वयंसेवकों ने पूर्व में 7 दिन का प्राथमिक वर्ग का प्रशिक्षण प्राप्त किया होता है और वे संघ के कार्य में सक्रिय रहते हैं, उनमें से ही चयनित कार्यकर्ताओं को संघ शिक्षा वर्ग में भेजा जाता है।

जबलपुर में भीषण आग, 2 लड़कियों को बचाया

- 3 दुकान, 3 मकान जले; 25 से ज्यादा दमकलों को बुझाने में लगे 5 घंटे

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर शहर के गंजीपुरा बाजार में 3 दुकानों और 3 घरों में लगी भीषण आग 5 घंटे बाद बुझाई जा सकी। 25 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने दोपहर 1 बजे तक लपटों पर काबू पाया। आग लगने की सूचना पर रविवार सुबह 9 बजे फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। लपटें तेज थीं, ऐसे में एक के बाद एक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आती रहीं। सुबह 11 बजे तक आग दुकानों के पीछे बने तीन मकानों तक पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने इनके अलावा आसपास के मकान भी खाली करा लिए। गंजीपुरा मार्केट शहर का घना और व्यस्ततम इलाका है। जानकारी के मुताबिक, बैग की दुकान से सबसे पहले धुआं उठता देखा गया। इसके बाद आग अगल-बगल बनीं कपड़ों की दुकानों तक पहुंच गई। बैग की दुकान 3 मंजिला इमारत में है। इसके अगल-बगल कपड़ों की दुकानें 4 मंजिला अलग-अलग इमारतों में हैं। बैग की दुकान जिस बिल्डिंग में है, उसके ऊपरी फ्लोर पर इसके मालिक प्रदीप कुमार जैन और उनका परिवार रहता है। प्रदीप के मुताबिक, वे और उनकी पत्नी मंदिर गए थे। वहां उन्हें सूचना मिली। घर पर 18 और 19 साल की दो बेटियां सो रही थीं, जिन्हें मोहल्लेवालों ने निकाला।स्थानीय लोगों का कहना है कि आग सुबह 6 बजे के आसपास लगी होगी। जब ज्यादा धुआं उठने लगा, तब जानकारी लग सकी।

गोवंश के अवशेष मिले, दो आरोपियों के घर ढहाए

- देवास में ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़ा, करीब 3 घंटे तक चक्काजाम किया

देवास (नप्र)। देवास में खेत में गोवंश के अवशेष मिलने के बाद प्रशासन ने दो आरोपियों के घर पर बुलडोजर चला दिया है। बाकी के आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क पर बैठे ग्रामीणों ने करीब 3 घंटे बाद चक्काजाम खत्म कर दिया है। मामला जिले के बरोठा के खेताखेड़ी का है। किसान सुनील चौधरी ने बताया, मेरी दो गायों को अज्ञात लोगों ने निशाना बनाया। रात को गायें खेताखेड़ी कांकड़ पर बंधी हुई थी। मैं रोज की तरह खेत पहुंचा तो कुछ लोग गाय के अवशेष थैलों में भर रहे थे। करीब 6-7 लोग थे। मैंने गांव वालों को सूचना दी। वहां पहुंचा तो आरोपियों ने मुझे धमकाया। इतने में गांव वाले आ गए। मौका देखकर सभी लोग भागने लगे, हमने एक युवक को पकड़ लिया। बरोठा थाना प्रभारी प्रतीक राय ने बताया कि कुछ लोगों ने गोवंश की हत्या की है। गांव वालों ने आमीन पिता याकूब को पकड़ा है। मामले के दो आरोपी आमीन और अमन उर्फ शेट्टी पिता यूसुफ के मकान ढहा दिए गए हैं। गुस्साए ग्रामीण और गोसेवक गोकशी के विरोध में करीब 3 घंटे सड़क पर बैठे रहे।

चुनाव से पहले भी हुई थी गोकशी

जिला गोरक्षा प्रमुख रमेश कौशल ने बताया कि रविवार सुबह हमारे पास सूचना आई कि खेताखेड़ी क्षेत्र में गोकशी हुई है। हम मौके पर पहुंचे। यहां कुछ थैले मिले, जिनमें गोवंश के अवशेष थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। चुनाव के पहले 12 मई को भी क्षेत्र में गोकशी हुई थी। आरोपियों को पकड़ लिया गया था। संस्था राम राम के शैलेन्द्र सिंह पवार का कहना है कि गोकशी के विरोध में चक्काजाम किया था। प्रशासन के सख्त नहीं होने पर व्यवस्थाएं बिगड़ रही हैं। हिंदू समाज की भावनाओं को आहत किया जा रहा है।

म.प्र. कांग्रेस वॉर रूम के सह प्रभारी अलमास का इस्तीफा

- बोले-सिर्फ दिखाने के लिए चुनाव लड़ रही कांग्रेस, वॉर रूम में सिर्फ चाय-समोसे का कार्यक्रम चलता है

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस के लोकसभा चुनाव वॉर रूम के सह प्रभारी अलमास सलीम ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अलमास ने वीडियो जारी कर कहा- वॉर रूम में जिस तरह से काम होना चाहिए वैसे नहीं हो रहा था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को भी यह बताया। लेकिन, उन्होंने ध्यान नहीं दिया। अलमास सलीम ने वीडियो जारी कर कहा- मैंने कांग्रेस पार्टी के वॉर रूम के सह प्रभारी और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा इसलिए दिया है क्योंकि मेरी और मेरे सहयोगियों की उपेक्षा हो रही थी। वॉर रुम के अंदर सिर्फ समोसे और कचौड़ी का कार्यक्रम चलता था। इधर, कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक का कहना है वॉर रूम में 50-60 लड़के काम करते हैं, अलमास उनमें से एक थे।

पटवारी दो-चार बार ही वॉर रुम आए: अलमास ने कहा- जब से कांग्रेस के वॉर रुम का फीता कटा तब से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी दो-चार बार ही आए। वॉर रुम के अंदर जिस तरीके से काम होना चाहिए उस तरीके से काम नहीं हो रहा था। कई बार मैंने उन्हें अप्रोच करने और समस्याएं बताने की कोशिश की। लेकिन उन्होंने कभी उस तरफ ध्यान नहीं दिया।

कांग्रेस सिर्फ दिखाने के लिए चुनाव लड़ रही: अलमास ने कहा- ऐसा लग रहा था कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ जनता को दिखाने के लिए चुनाव लड़ रही है लेकिन अंदरूनी तौर पर पहले से अपनी हार मानकर बैठी थी। चुनाव आते हैं जाते हैं कोई हारता है कोई जीतता है। वो एक अलग मुद्दा है। लेकिन, जिस तरह से कांग्रेस पार्टी के ऊपर जनता ने भरोसा किया था कि वो एक अच्छे विपक्ष की भूमिका निभाएंगे वो भूमिका निभाने में वे नाकाम हुए हैं। वॉर रूम में जो चीजें होनी चाहिए वो नहीं हो रहीं थीं। वॉर रुम में बस हंसी ठहाके होते थे।

पटवारी ने मेरी बात को तवज्जो नहीं दी: अलमास ने कहा- इन हालातों की वजह से मैने कुछ समय पहले से वॉर रुम जाना भी छोड़ दिया था। मैंने कई बार अपनी बात प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, उनसे जुड़े उनकी टीम को बताने की कोशिश की। उन्होंने मेरी बात को तवज्जो नहीं दी। सिर्फ युवा की ही नहीं चाहे मैं हूं महिलाएं हों, मुसलमान समाज हो सबकी उपेक्षा की है।

म.प्र. में अगले 4 दिन तक भीषण गर्मी का अलर्ट

ग्वालियर-चंबल सबसे गर्म, छिंदवाड़ा में तेज हवाओं के साथ बारिश; दतिया में चली आंधी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। ग्वालियर-चंबल जमकर तप रहा है। हालांकि प्रदेश के कुछ इलाकों में आंधी-बारिश भी दर्ज की गई है। छिंदवाड़ा में रविवार दोपहर में अचानक मौसम बदला। यहां तेज आंधी के साथ बारिश होने लगी। वहीं दतिया में भी मौसम बदला। यहां भी तेज हवाएं चलने लगी। दतिया में टेम्प्रेचर 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि ग्वालियर में 45 डिग्री तक पहुंच गया। कई शहरों में पारा 43-44 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन यानी, 22 मई तक ग्वालियर-चंबल के साथ निमाड़ के जिलों में भी गर्म हवाएं यानी, लू चलने का अलर्ट जारी किया है। दूसरी ओर, प्रदेश के पूर्वी हिस्से - छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, पांढुर्णा में मौसम का मिजाज अलग है। यहां दिन में तो तेज गर्मी है, लेकिन शाम को बादल छा रहे हैं। शनिवार को कुछ जगह बूंदाबांदी भी हुई।

छिंदवाड़ा में बिल्डिंग का हिस्सा गिरा

छिंदवाड़ा में रविवार शाम करीब 5 बजे आंधी चली। तेज हवाओं की वजह से लालबाग में निर्माणाधीन बहुमंजिला बिल्डिंग का हिस्सा भरभराकर गिर गया। पड़ोस में बने घर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

इसलिए ऐसा मौसम

मौसम विभाग भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, नॉर्थ-ईस्ट राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम है। वहां से एक ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। मध्य प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) ट्रफ लाइन के साथ एक्टिव है। एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर होगा। इसके चलते कहीं तेज गर्मी है तो कहीं बारिश-आंधी है। खासकर दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में बारिश-आंधी हो रही है। उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में टेम्प्रेचर बढ़ रहा है। शनिवार को भी तेज गर्मी रही। रविवार समेत अगले 4 दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा।

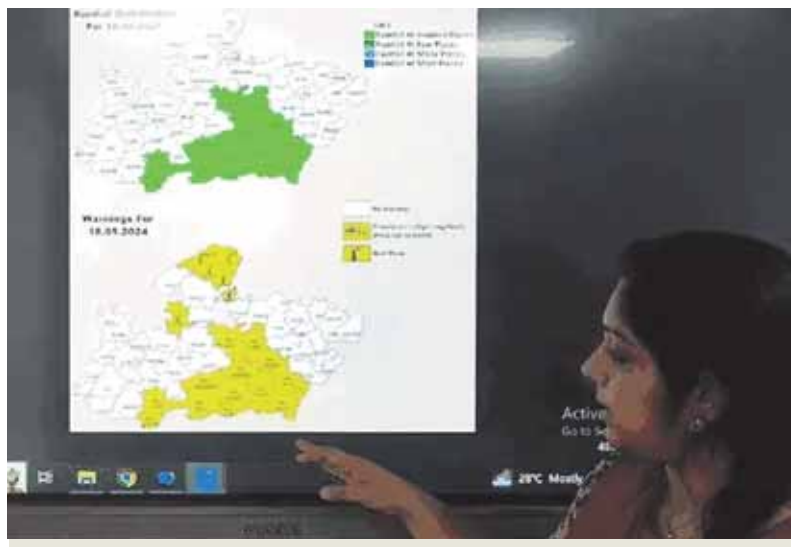

रतलाम, खजुराहो-नौगांव भी जमकर तपे

शनिवार को दतिया और ग्वालियर खूब तपे। ग्वालियर लगातार तीसरे दिन भी सबसे गर्म रहा। यहां दिन का टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 45 डिग्री पर पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक है। रतलाम, छतरपुर जिले के खजुराहो और नौगांव भी जमकर तपे। यहां पारा 44 डिग्री के पार रहा। भोपाल में 41.8 डिग्री, इंदौर में 41.3 डिग्री, जबलपुर में 40.3 डिग्री और उज्जैन में पारा 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने ग्वालियर-चंबल संभाग में हीट वेव, यानी गर्म हवाएं चलने का भी अनुमान जताया है। ग्वालियर में पिछले साल गर्मी के सीजन में पारा 44.8 डिग्री से ज्यादा नहीं गया था। इस बार इससे अधिक पारा पहुंच चुका है। उज्जैन में पिछले साल की तुलना में अधिक गर्मी पड़ रही है। इधर, शाजापुर और गुना में पारा 43 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। वहीं, सागर, सीधी, शिवपुरी, नरसिंहपुर, धार, दमोह, खंडवा, सतना और टीकमगढ़ में तापमान 42 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया।

आगे ऐसा रहेगा मौसम

20 मई: ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, निवाड़ी, अशोकनगर, टीकमगढ़, छतरपुर, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में हीट वेव यानी, गर्म हवाओं का अलर्ट है। छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी में हल्की बारिश हो सकती है।

21 मई: खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, श्योपुर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में गर्म हवाएं चलेंगी।

22 मई: ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में लू का अलर्ट है।

नर्मदापुरम में डूबने से 2 नाबालिग की मौत

भंडारे में आया था परिवार, गम में बदली खुशी, नहाते समय डूबे

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम के सेठानी घाट पर 2 नाबालिग लड़कों की डूबने से मौत हो गई। दोनों लड़कों की उम्र 15 साल है। मामा-बुआ के बेटे थे। कुणाल पटेल इटारसी के ग्राम सोनासांवरी और अक्षत पटेल मेहरागांव का रहने वाला था। घटना सुबह 9 से 10 बजे की बताई जा रही है। दोनों किशोर का परिवार और रिश्तेदार आज मोहिनी एकादशी के भंडारे के लिए मंगलवारा घाट पर आए थे। दोनों किशोर नहाने

का कहकर सुबह 9 बजे सेठानी घाट के लिए निकले थे। डेढ़ दो घंटे बाद भी नहीं लौटने पर परिजनों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया। सोशल मीडिया पर भी दोनों की तस्वीर डालकर लापता होने का मैसेज पोस्ट किया। परिजन ढूंढते हुए सेठानी घाट पहुंचे। घाट पर सीढ़ी पर उनके कपड़े दिखे। फिर उनकी तलाश शुरू की। घाट पर मौजूद होम गार्ड स्टाफ और गोताखोरों ने दोनों लड़कों को नदी में ढूंढना शुरू किया।

रतलाम जिला अस्पताल में मारपीट, पुलिस बनाती रही वीडियो

- जो चीज हाथ लगी, उसे उठाकर एक-दूसरे पर टूट पड़े; तोड़फोड़ भी की

रतलाम (नप्र)। रतलाम जिला अस्पताल में दो गुट भिड़ गए। जिसके हाथ जो लगा, उसे उठाकर दूसरे पर टूट पड़ा। अस्पताल के जांच काउंटर का कांच तोड़ डाला। फायर एक्सटिंगिशर उखाड़कर इससे भी मारपीट की। मामला शनिवार देर रात 1 बजे का है। मौके पर मौजूद पुलिस उनको रोकने की बजाय वीडियो बनाती रही। शहर की मदीना कॉलोनी में एक परिवार के दो गुटों में प्रॉपर्टी को लेकर विवाद कोर्ट में विचाराधीन है। शनिवार रात उनके बीच मारपीट हो गई। एक गुट के लोग माणक चौक थाने में रिपोर्ट लिखाने पहुंचे। घायल का मेडिकल कराने एक जवान उसे लेकर जिला अस्पताल आया। इतने में दूसरे पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंच गए।दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट शुरू हो गई। इन्हें रोकने वाला कोई नहीं था। अस्पताल में मरीज और तीमारदार घबरा गए।

दोनों पक्षों पर क्रॉस एफआईआर: पुलिस ने एक पक्ष के शौकत की रिपोर्ट पर शाकिर, नासिर और तीन अन्य के खिलाफ केस किया है। दूसरे पक्ष के समीर की शिकायत पर अबरार, अंसार, रमजानी, आसिफ के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है।पुलिस ने दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज कर ली है। अस्पताल में तोड़फोड़ करने पर सीएमएचओ ने भी शिकायत दर्ज कराई है।

सीएमएचओ ने की तोड़फोड़ की शिकायत: इस घटनाक्रम के दौरान जिला अस्पताल की चौकी में एक ही पुलिस जवान तैनात था। माणक चौक पुलिस थाने का एक अन्य पुलिसकर्मी मेडिकल कराने एक पक्ष के लोगों को लेकर आया था।

भोपाल में 80 किमी की स्पीड में दौड़ेगी मेट्रो

इंदौर में भी यही रफ्तार रहेगी; हर 2 मिनट में स्टेशन पर रुकेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के 2 बड़े शहर भोपाल और इंदौर में मेट्रो 80किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। भोपाल में इस स्पीड का ट्रायल में कामयाबी मिल चुकी है। हालांकि, ट्रैक पर मेट्रो ट्रेन 90 किमी की स्पीड से भी दौड़ाई जा सकती है। ताकि, ट्रैक और कोच के सिस्टम के सभी पैरामीटर पूरे हो सके। भोपाल में ट्रायल के बाद इंदौर में भी इसी स्पीड में ट्रेन जल्द ही दौड़ेगी। हर 2 मिनट में ट्रेन स्टेशन पर रुकेगी। भोपाल के सुभाष नगर से रानी कमलापति के बीच मेट्रो कोच को ट्रैक पर दौड़ाकर ट्रायल रन किया जा रहा है। अब तक की सबसे ज्यादा 80 किमी की स्पीड में मेट्रो दौड़ चुकी है। इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि जब भी मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होगा, तब यही रफ्तार रहेगी। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों ने बताया, इतनी स्पीड में मेट्रो पहले कभी नहीं दौड़ाई गई। ट्रायल रन में यह 30 से 50 किमी की रफ्तार में ही दौड़ी है। एक बार 60 किमी की गति भी रह चुकी है, लेकिन अधिकतम गति 80 किलोमीटर ही है।भोपाल में अब तक पांच मेट्रो ट्रेन आ चुकी है। हर ट्रेन में 3-3 कोच है।

3 कोच की एक ट्रेन, 3000 किमी दौड़ाएंगे

मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक, भोपाल में अब तक 3-3 कोच की 5 ट्रेन आ चुकी हैं। प्रायोरिटी कॉरिडोर में इतनी ही ट्रेन जरूरी है। ट्रैक पर स्पीड टेस्टिंग पूरी होने के बाद अब हर ट्रेन को 3 हजार किलोमीटर दौड़ाएंगे। इस दौरान ट्रेन की रफ्तार 30 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहेगी। भविष्य में यह रफ्तार 90 किलोमीटर प्रतिघंटा भी रह सकती है।

पहला ट्रायल रन अक्टूबर 2023 में: मेट्रो पहली बार 3 अक्टूबर 2023 को ट्रैक पर दौड़ी थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मेट्रो में बैठे थे और सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक गए थे। इसके बाद से लगातार ट्रेन को टेस्ट और मुख्य ट्रैक पर लाया जा रहा है। ये ट्रायल रन 25 से 30 किलोमीटर की स्पीड में ही रहे हैं। पहली बार 6 किमी और 80 किमी की स्पीड से ट्रायल रन हुआ है।

साल के आखिरी में आम लोगों के लिए दौड़ सकती है मेट्रो

अक्टूबर 2023 में ट्रायल रन होने के बाद कहा जा रहा था कि मई-जून में कमर्शियल रन भी हो जाएगा, लेकिन अभी ट्रैक और स्टेशनों पर काफी काम बाकी है। 6.22 किमी लंबा प्रायोरिटी कॉरिडोर है। इसमें से सुभाषनगर से आरकेएमपी तक 5 स्टेशन भी शामिल हैं। इसके बाद डीएमआर ऑफिस, अलकापुरी और एम्स के बीच ट्रैक पर काफी काम बाकी है। वहीं, तीनों स्टेशनों का आधा काम ही बाकी है। अन्य 5 स्टेशनों पर भी इंटीरियर समेत अन्य काम बाकी है। ऐसे में अब मेट्रो साल के आखिरी में या फिर अगले साल ही आम लोगों के लिए दौड़ेगी। इससे पहले दिल्ली से टीम आएगी। टीम के निरीक्षण और च्ओकेज्के बाद ही कमर्शियल रन शुरू हो सकेगा।